श्री

तालचक्र

TAL-CHAKRA.

रची प्रसिद्ध करनार

बावाजी विठलदास जेठीराम
भावनगर राओल श्रीजुवानसिंहजी
जसवंतसिंहजी मंदिरनापुजारी.

: संवत १९६० मा सने १९०३
मुंबई, जगदीश्वर छा. खा.
कीमत रु० १–४

અનુક્રમણિકા.

अर्पण पत्रिका.

श्री गोस्वामी श्री अखंड प्रौढ प्रताप सकलविद्याकलाना
ज्ञाता संगीत शास्त्र निपुण पूज्य आचार्य श्रीमान
श्री मद्गोस्वामी श्री १०८ श्री घनश्याम
लालजी चिमनलालनी महाराज.

मुम्बापुरी

आप धर्मना आचार्य छो, सकल विद्याशास्त्र अने कलाना पंडित छो, संगीत-शास्त्रना पूर्ण परीक्षक छो, ए शास्त्रने उत्तेजन आमवानी तथा ए शास्त्रना प्रयोग प्रत्यक्ष करी बताववानी आपनी कामना मशहुर छे, एवी आपनी जगमान्य प्रशंसा सांभळी हुं आपनी सेवामां

तालचक्र

नामनुं लघु पुस्तक अर्पण करूं छुं तो आशा छे के आप एने संपूर्णरीते स्वीकारी अवलोकन करी मने उपकृत करी लेशो.

ली. हुं छुं आपनो,

मु. भावनगर
जुवानसिंहजी मंदीर.

दासानुदास आधिन सेवक,
बावाजी विठलदास जेठीराम

प्रस्तावना.

अथ तालं प्रवक्ष्यामि कालरूपं जगद्धरम् ।
जनयतं सुखं गीते वाद्ये नृत्ये विशेषतः ॥ १ ॥
उत्पत्त्यादित्रयं लोके येन तालेन जायते ।
कीटकादिपशूनांच ताले नैव गतिर्भवेत् ॥ २ ॥
यानि कानि च कर्माणि लोके तालाश्रितानिच ।
आदित्यादि ग्रहाणां च ताले नैव गतिर्भवेत ॥ ३ ॥
ब्रह्मकल्पेऽपि तालेन मतः कालवशंगतः ।
कालः क्रिया परिच्छिन्नस्ताल शब्दे न भण्यते ॥ ४ ॥
ततः प्रतिष्ठितं सर्वं ताले कालेऽप्यतः स्मृतः ॥

—संगीत पारिजातः

वाद्याध्यायः

ભાવાર્થઃ—હવે તાલનું વર્ણન તાલ એ કાળનું સ્વરૂપ છે અને જગતમાં ઉત્તમ છે. તે ગાયનમાં વાદ્યમાં અને વિશેષે કરીને નૃત્યમાં સુખ ઉત્પન્ન કરે છે. લોકમાં તાલથી ઉત્પત્તિ વિગેરે ત્રણ સ્થીતિઓ થાય છે અને કીટક-આદિ પ્રાણીની પણ તાલથીજ ગતિ ઉત્પન્ન થાય છે. લોકમાં હરેકોઇ પ્રકારના કામમાં, તાલનો આશ્રય છે. સૂર્યાદિ ગ્રહોની ગતિ તાલથીજ છે. બ્રહ્મ કલ્પની અંદર પણ કાળ તાલ વડેજ ગણવામા આવે છે. માટે ક્રિયાથી યુક્ત થએલો કાળ તાલ શબ્દથીજ ઓળખાય છે તેથી સર્વ તાલ અને કાળની અંદર રહેલું છે.

ભારત વર્ષમાં સંગીત શાસ્ત્ર ઘણા પ્રાચીન કાળથી ખેડાયું છે. મૂલે વેદ કાળથીજ તેનું અસ્તિત્વ જણાય છે. સામવેદ સમગ્ર સંગીત રૂપ છે ત્યાર પછીના સૂત્ર કાળમાં અને છેક વચમાં પૌરાણ કાળમાં પણ તેનું અસ્તિત્વ પૂર્ણ પણે માલુમ પડે છે, સંગીતની મૂળ ઉત્પત્તિ વિષે ભિન્ન ભિન્ન દેશોમાં અનેક કલ્પનાઓ પ્રચલિત છે, પરંતુ ઈતિહાસ ઉપરથી જોવા જતાં તેનું મૂળ ઉત્પત્તિ સ્થાન ભારતવર્ષજ છે, એમ અનેક શોધકોએ સિદ્ધ કર્યું છે. અને

અહીંથીજ આરબ વિગેરે લોકોની મારફતે ઈરાન, ગ્રીક, જર્મની વિગેરે દેશોમાં આ વિદ્યા ગઈ છે. સંગીત શાસ્ત્રમાં મહત્વની બાબત જો કોઈ હોયતો તે સાત સ્વર વિષે છે. એ સ્વરો જ્યારે દુનિયાના બધા સુધરેલા દેશો પૂર્વે અજ્ઞાનાંધકાર રૂપી રાત્રીમાં લાંબા થઇ સુતા હતા તે વખતમાં આપણા પ્રાચીન મહર્ષિઓએ શોધી કહાડયા હતા અને પ્રાચીન સમયમાં બીજા દેશોએ આ દેશની સાથે જે વ્યાપારનો સંબંધ—વ્યવહાર ચાલુ કર્યો તેની સાથે અહિંનું સંગીત પણ બીજા દેશોમાં ગયું. અસ્તુ—

સંગીત એટલે ગીત, વાદ્ય અને નૃત્ય, પરંતુ એ ત્રણે તાલથીજ નિયમિત છે, તાલ એ બધાને વ્યવસ્થિત કરે છે. એ તાલ પ્રકરણ ઉપરજ માત્ર અનેક ગ્રંથો સંસ્કૃત ભાષામાં રચાયલા છે. સંગીતશાસ્ત્ર ઉપર જે ગ્રંથો રચાયા છે. તેમાંના કેટલાક છેક પ્રાચીન છે અને કેટલાક તો અર્વાચીન છે. મધ્યકાળમાં સંગીતનું પ્રાચીન સ્વરૂપ ઘણું રૂપાંતર પામ્યું, અને અકબર બાદશાહના વખતથી તેને પૂર્ણ કળા પ્રાપ્ત થતી ગઇ, પછીનાં કાળમાં રાજયાશ્રયના અભાવને લીધે તેની દિનપર દિન પડતી થવા લાગી. તેથી હું જો કેટલાક તાલ વગાડી જાણું છું તે તાલોના મૂળ ઠેકા આ ગ્રંથમાં દાખલ કરૂં છું.

રાજ્ય ગાયક રા. રા. ડાહ્યાલાલ શીવરામભાઈના સંગીત કલાધર નામના પુસ્તકથી તેમજ રા. રા. મુળજી જયેષ્ટારામ વ્યાસના સંગીત ચિંતામણી નામના પુસ્તકથી અમને બહુજ આશ્રય મળ્યો છે.

લી. સેવક,

બાવાજી વિઠલદાસ જેઠિરામ.

મુ.—ભાવનગર.

तालचक्र.

आ पुस्तक मात्र ताल विषयनुं छे तो तेमां ताल संबंधी "वर्णन उचित छे" "संगीत," एटले गीत, वाद्य, नृत्य, ए त्रणेने मुख्य कालनो आधार छे तेमां मुख्यत्वे वाद्य विषयथी काल, तालनो निर्णय थइ शकेछे.

वाद्यनी चार जाति छे १ तंत २ वितत ३ घन ४ सुषिर, तेमां खास करी ताल दर्शन थवा माटे तो वितत एटले आनद्ध जातिना वाद्यनो उपयोग थाय छे जे मृदंग पखावज; इत्यादि चर्मथी मढेल वादित्रो होय तेने आनद्ध, के वितत वाद्य कहे छे

मृदंग के पखावजथी तालनुं स्वरुप दर्शावाय छे. तालमां काल अविच्छिन्न रहेलो छे; काल विना कांइपण थइ शकतुंज नथी कालनुं स्वरुप निराकार निश्चल छे अने तालनुं स्वरुप साकार, विकारी छे जेम निरंजन निराकार ज्योति स्वरुपमांथी साकार रुप इश्वर थइ शके छे. तेम निर्विकारी, नि-

राकार काळमांथी तालनी उत्पत्ति थाय छे जे विकारी छे अर्थात् जेनां घणां स्वरुप थाय छे.

कालने अमुक मापमां लाववो तेनुं नाम ताल काळना मीप माटे आपणा प्राचीन ऋषिओए तेनां जुदां जुदां नामथी गणना करेली छे.ते आ स्थळे सर्व वाचकोना समक्ष रजु करुं छुं.

सूचिकांना अग्रभागाथी कमळना पुष्पनी पांखडीने छिद्र करतां जे वखत लागे छे ते वखतने एक क्षण कहे छे. आवा अष्ट क्षणथी एक लव कहेवाय छे तेवा अष्ट लवना समूहना वखतने एक काष्टा कहे छे तेवी आठ काष्टा मळी एक निमेष थाय छे, आठ निमेष मळी एक कला बने छे, बे कलाथी एक त्रुटि थाय छे. बे त्रुटिनो एक अणु थाय छे बे अणथी एक द्रुत, तेम बे द्रुतथी एक लघु गणाय छे जेने हाल व्यवहारमां मात्राना नामथी ओळखीए छीए. बे लघुथी एक गुरु तथा त्रण लघुथी एक प्लुत तथा बे गुरुथी एक द्विगुरु अथवा चतर्मुख थाय छे तथा बे द्विगुरुथी एक काकपद थाय छे. व्यवहारमां आ

उपर कहेली काळनी गणनामां आणुथी काकपद सुधीनी आवश्यक्ता छे.

काळगति.

काळनी मुख्य त्रण गति छे, जेने १ मंद, २ मध्य, ३ शीघ्र, अथवा विलंब, मध्य, अने द्रुत कहे छे. तेमां एक बीजानुं संमेलन थवाथी बीजी बे गति उत्पन्न थाय छे जेने मध्य-मंद अथवा मध्य विलम्बित काळ तथा मध्य शीघ्र के मध्यद्रुत काळ करी कहे छे.

आ पुस्तक रचवामां मुख्य आ राज्यना राज्यगायक डाह्यालाल शिवरामे मने अंतःकरणथी मदद आपेली छे. जेने माटे आस्थळे तेमनो उपकार जाहेर करुं छुं.

ताल.

"तड्" धातु उपरथी ताल शब्द थएलो छे, अर्थात ताडत थयेलु ते ताल आथी शब्दार्थ तो एवो थयो के ताडन एटले आघात थवो. अर्थात् टकोरा के ठबको थवो तेनुं नाम ताल पण वास्तविक रीते गातव्यं काल क्रीयाःप्रमाणं ताल." गाती वख्ते काळनी क्रियानुं प्रमाण बतावबुं तेनुं नाम ताल.

वळी खुली रीते कहीए तो अमुक मात्राओथी ने अमुक टकोराथी जेनी संपूर्ण आकृति बंधाएली छे सारांश के ४-६-८-१० विगेरे कलाओनुं जे एक चक्र बंधाय ते चक्रने अमुक ताल कही शकीओ; पछी तेनी अंदर बे त्रणचार इत्यादि गमे तेटला ठपका आवता होय; पछी तालनी अंदर रहेल गुप्त रहस्य समजाय तेवा संज्ञाघाळा तेना नाम अपाय छे जेम के द्विताल, त्रिताल, चोताल के तेनी अंदर बे, त्रण चारतालना ठपका आवे छे

દશપ્રાણ.

૧ કાળ, ૨ માર્ગ, ૩ ક્રિયા, ૪ અંગ, ૫ ગ્રહ, ૬ જાતિ ૭ કલા, ૮ લય, ૯ યતિ, ૧૦ પ્રસ્તાર આ પ્રમાણે તાલના દશ પ્રાણ છે જે ખરેખર તાલનાં જીવન રુપજ છે અને તેનું યથાર્થ નિરાકરણ કરવું તે પણ બાહોશ સંગીત જ્ઞાતાનું કામ છે આ લઘુ પુસ્તકમાં તેનું વિવેચન કરવામાં આવ્યું નથી પણ આ રાજ્યના રાજ્ય ગાયક મી. ડાહ્યાલાલ શિવરામ એઓના યોજેલ "સંગીત કલાધર" નામના ગ્રંથમાંથી જીજ્ઞાસુ જોઇ લેશે. આ પુસ્તકમાં તો માત્ર વ્યવહારીક ચાલતા તાલનાં ચક્રો તથા તેને લગતું થોડુંક જરુરીનું બયાન કીધું છે.

સમ.

સમ એટલે એક સરખુ અર્થાત્ ગીત મૃદંગ અને નૃત્ય એ ત્રણે એક સાથે એવી ગતીથી થતાં હોય કે જે લયમાં જેટલા બોલો ગીતના હોય તેટલા બોલો

मृदंगना तेम तेटलाज बोला नृत्यना थाय जेथी परस्पर कांइ पण कोइने विरुध्धता न देखाय तेने सम कहे छे

वळी सम अेटले मान पण कहेवाय छे ज्यां तालनी हद बतावाय छे तेने अथवा ज्यां स्वभाविक रीते मनुष्यनुं मन आकर्षाइ ज्ञाताओथी हा अेवो शब्द नीकळे छे तेने अथवा तालना उत्पाति स्थानने पण सम कहे छे.

विषम.

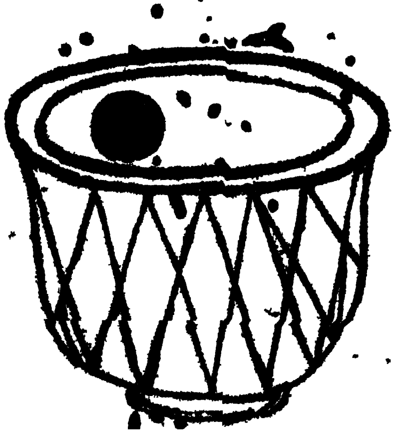
विषम अेटले उलटुं जे समथी उलटीरीते गीत वाद्य नृत्यमां क्रिया थाय छे. ते विषम अर्थात् परस्पर गायन मृदंग के नृत्य अेक साथे अेक सरखी गतिमां न चालतां होय तेनुं नाम विषम अेटले बेतालुं गवातुं के. वगडातुं होय अेम समजवानुं. नथीं पण अेक बीजानी परस्पर गति भिन्न होय जोके अेकंदर छेवटे तो सौ मळी जाय पण वचमां आडीटेडी गति चालती होय ते विषम:

अतीत तथा अनाघात.

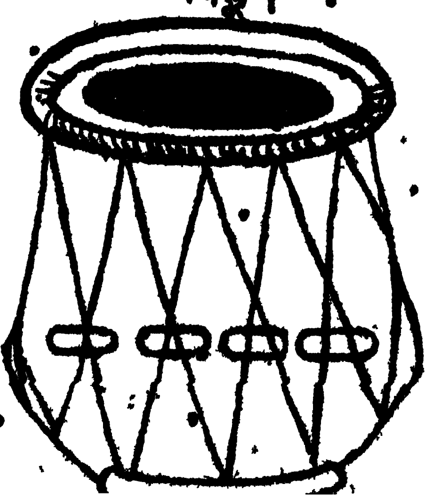
अतीत, अेटले अलगो अर्थात सम जेनाथी अलगो रहेछे तेवी क्रियाने अतीत कहेछे. जेमके गीत, मृदंग, के नृत्य थतुं होय तेमां आवता स्वरोथी के शब्दोथी सम छेटेज रहेतो होय अर्थात सम उपर शब्द न आवतो होय तेने अतीत कहे छे.

अनाघात—केटलाके सम अने अनाघातनुं निराःकरण एक सरखुंज करेल छे, पण शब्दार्थथी सिद्ध थाय छे के तेम होवुं न जोइए. अनाघात एटले "अन आघात" अर्थात आघात नथी थयो जेनो, कोनो आघात नथी थयो के सममो, अने ते पेहेला जे क्रिया गीत मृदंग के नृत्यमां थाय छे तेनुं नाम अनाघात.

तम्बूर २



तबलुं १



१ तबलामा कुल त्रण जग्या होय छे. चांट लवने थाप तबलानी जे जग्याए कोरजेवुं बनावेलुं होयछे तेने चांटनी जग्या कहे छे

२ तबलानी चांटनी जग्याए वच्चला भागमां जे जग्याए शाई छे ते बेउनी वचेजे खाली जग्या होयछे तेने लवनी जग्या कहे छे.

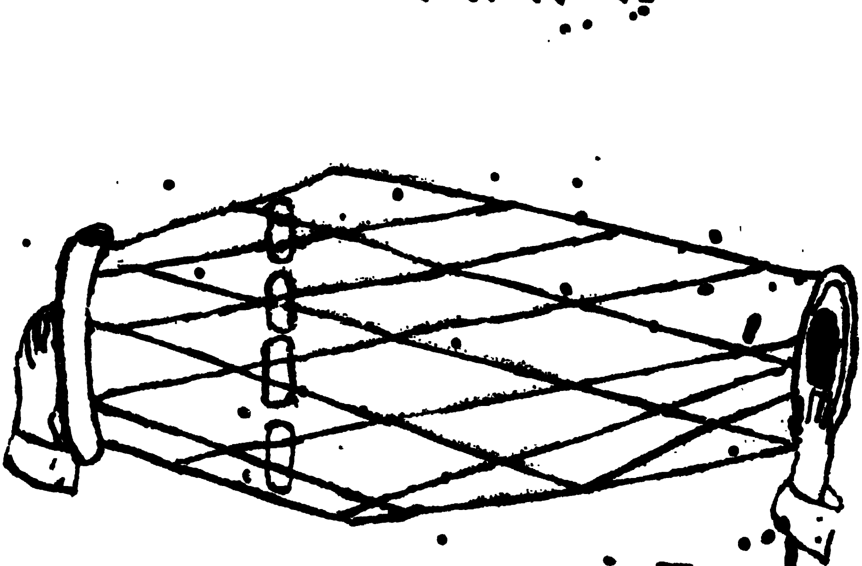
३ तबलानी वचोवच शाईनी जग्या छे. तेने थापनी जग्या कहे छे.

१ बांयामा बे जग्या होय छे बायां बे जातनां होयछे. एक तो शाई वाळुंने बीजुं लोटथी मोहणं आपे छे ते

लोटवाळा बांयाने डाबा हाथनी चारे आंगळि बीडि दईथापथी सीधो पंजो राखि वगाडवामां आवे छे.

२ बांयोने जे जग्याए शाई लगाडेली होय छे तेना उपरना भागमां डाबा हाथनी चारे आंगळीओ अडधोअड धन मावीने वगाडवामां आवे छे.

पखवाज.



पखावज विषे हकिकत.

पखावजने तबलामां कांई फरक छे परंतु घणे भागे एक जवजन छे धा, ए पखावजनो शब्द छे,

जमणो हाथ शाईनी जग्याए वगाडवो.

डाबो हाथ बांयानी जग्याए सीधो पंजो राखी वगाडवो, ध गे तान, गे, नन कीडनक वीगरे पखवाजना बोल छे, ते पण तबलामां आवे छे.

शिखनारमे सूचना.

प्रथम शिखनारने सहेला सहेला तालीपर सारि रिते कसरत करवि तेमां प्रथम असुक तालबी कोटडिना बोलो ने स्पष्ट मुखाग्र करि हाथ उपर तालदई बेसारवा ज्यारे बराबर मुखथी स्पष्ट अने लयमां बोलो निकळे त्यारपछी पखावजमां तेनी रीत प्रमाणे ते बोलोने कहाडवा, ज्यारे बराबर लयमां हाथथी बोलो निकळे त्यारे कोई गानारसाथे बजाववुं, अने ज्यारे बराबर खात्रि थायके अमुक तालनो ठेको मनें बराबर बेठो छें, पछी तेमां आवता तोडा महोरापरन्मे ने महोये करि. पखावजमां प्रथम ठाह लयमां कहाडवा, पछी दुगन, तीगन, चोगन, आडमां पण ते तोडा, महोरापरनोनें बेसारवा पछी गानारनी साथे ते प्रमाणे बजावि जोवुं अने कदापी चुक होय तो तेने सूधारवा आळस करवी नहिं, अने बजावती वखते, लयने काबुमां राखवी, एटले जेप्रमाणे प्रथमथी ज लये शरु करि होय तेजप्रमाणे राखवी.

तेमां जरापण धीमा उतावळा थवुं नहीं. जो गानार लयने वधारे अथवा घटाडे, तो तें प्रमाणे लय राखवी.

पखावज विषे.

मुख्य पखावजना शब्द पांच छे तेना नाम, धों, तों, कें, नें, टें, हवे ते पांच बोलनुं परसपर मिश्रणथई अनेक बोलो उतपन थाय छे, जेमके, धाकट, ताकट, ताधा, ताक इत्यादि. अनेक शब्दना, धः धा, धी, धु, इत्यादि बाराखडी प्रमाणे रुपबदलाय छे. जेमके, ध धीकट, धाता, धीमकीट, धीन ता, इत्यादि. अनेक शब्द तथा तेथी थतां, धीन, धी, धु, ईत्यादि, रुपते सर्वे, बांया उपर खूलो हाथ मारेथी नीकळे छे अने, धा, अे शब्द बेहाथ थी अेटले एक खूलो हाथ बांया उपर मारेनी साथे बीजा हांथथी पखावज उपर थाप मारवी अेटलेबन्ने ध्वनि नीकळशे, उपर लखेला पांच बोलो उपरांत, आधुनिक लोकों अे, धं, ग, घ, द, ड, म, र, ल, इत्यादि शब्दोने पखावजना बोलोमां नाखेला छे, तेना पण बाराखडि प्रमाणे रुपफरे छे, तेमां, ध, अने घ, अे अे कज, तेरहथी नीकळे छे, जेमके, धि धी कट, अने घ्री घी कट, ते अेक सरखिरिते नीकळे छे.

२ ता पखावजना कीनाराउपर, अेटले जेने चाट कहे छे, त्यां जमणा हाथनी पहेली आंगळि मारेथी नीकळे छे, अने, त, शब्दना रुप पण बाराखडि प्रमाणे फरे छे, जेमके, तर किट, तता, तरकीट तांन, तींता, तुन्नां, इत्यादि हवे.)

आधुनीक लोकोये मिश्र करेला शब्दोमांथी र; अने, म, ते, त नी माफकज निकळे छे.

३ न, पखावजउपर अेक आंगळि अेवि रिते मारवी, के जेथी पखावजनीं अधखूली अवाज निकळे. तेम कर्याथी, न, अेवो शब्द निकळे, अने तेनापण बाराखडि प्रमाणे रुप बदले छे, जेमके, नकतर, नाधि धीनां, इत्यादि अने, आधुनीक लोको, मीश्र करेला, शब्दोमांथी, दं, थ, ते न शब्दनी माफकज, नींकळे छे

डाबा हाथथी वगाडवाना अक्षर.

क ग गी गे घी घु घ भा (दी थुंग) आ त्रणे अक्षर चारे आंगळियोथीं, अथवा हथेळीनो थोडो भाग अरधि शाईपर, जमणा हाथनो पंजो मारि तरत उठावी लेवो, ता, का, आ बे अक्षरो पखावजने मारतांज बोली उठे छे,

५ कोटडि;--अमुक तालना पिंडमां अेटले अेक अवृतमां, प्रथम शरु करवाना बोलोजे बांधेला होय तेने, कोटडि कहे छे, बजावामां हरकोई तालनी प्रथम कोटडि बांधवी: अने तेमां आवता तोडा, महोरा, परन, लई अंते ते कोटड़िमां मळवुं जोये छये, कोटडि अेटले घर अरथात अमुक, तालनुं अमुक शब्दोमां घर बांधवुं. तेने कोटडि कहे छे.

५ तोडो--जे ऐकज बोलो फरि फरि त्रण वखत आवे तेने तोडो कहे छे, जेमके, तर कीट धा, तर कीट धा, तर कीट धा, इत्यादि:—

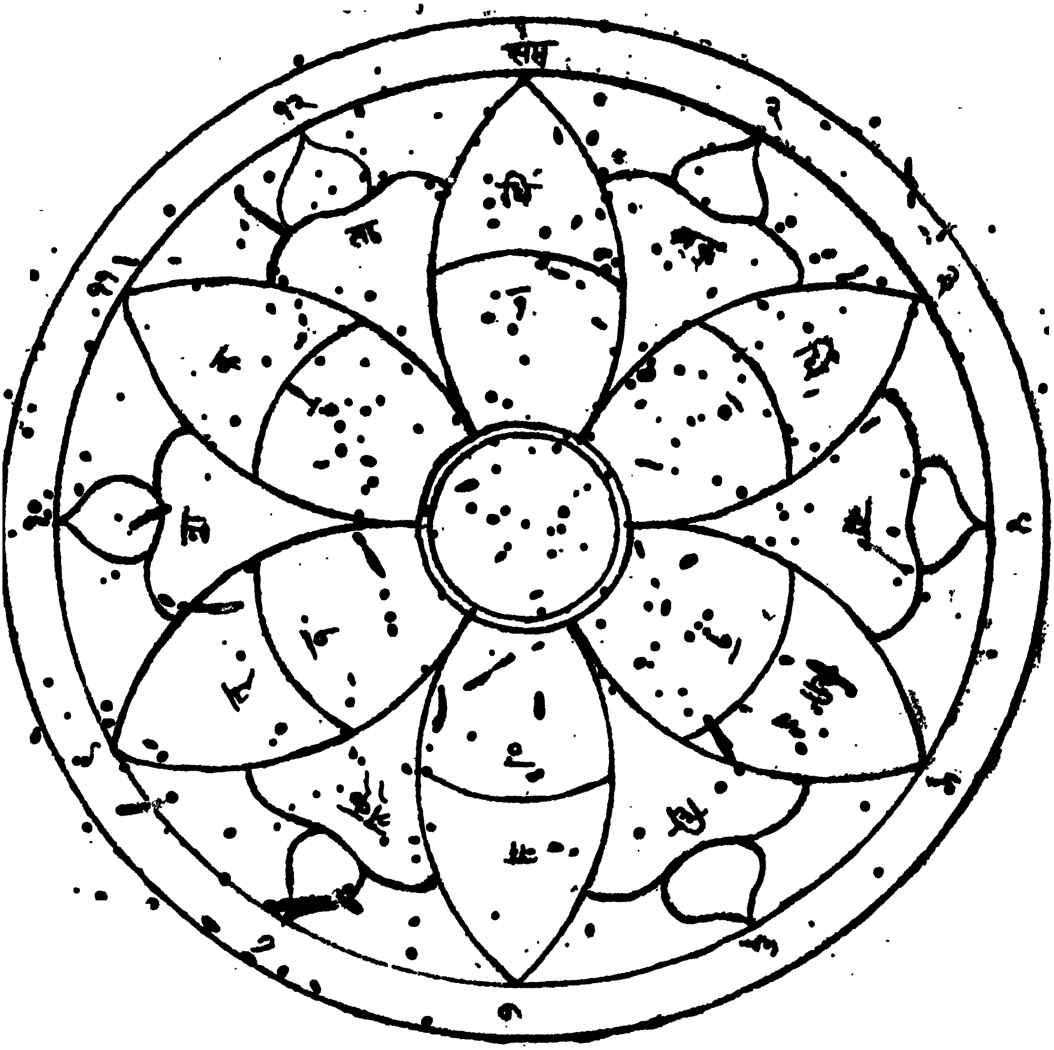
७ मोहोरो—अमुक ताल अेक आवृतना समयथी ओछा समयमां, अेटले अरधा अथवा ॥ पाव ॥ आवृतमां मतलब ढुंकाअरसामां जे पखावजना बोलो बांधेला होय, तेने मोहरो कहे छे, जेमके तिरकीट, तक, इत्यादि.

८ परनकोई परनने पडाळपण कहे छे. अमुक तालना अेकथी वधारे आवृतसूधिना, जे पखावजना बोलो बांधेला होय तेने परन कहे छे, जेमके, धा तर कीट, धा तर कीट धीतां धों तर कीट, तकता, तर कीट तक, तर कीडांन, धा, तर कीट धीन कीट धा. इत्यादि वीशेष तोडा मंहोरा परनो दरक तालना चक्रोमां, तेनां नोटेशन साथ बाताववामां आवेलां छे.

ताल एक तालो मात्रा १२ मध्यकाळ.

सम.

धीत्रक् धिंना । धींधींना त्रक् । तुंना कत्ता



उपर लखेला ताल एक तालानी मात्रा १२ छे पेहेली मा-
त्रानी निचे धिं, ने पेहेलो तालछे ते पर सम छे ते जग्यायेथी वजा-
ववानी शरुवात छे. त्या, परबारमी मात्रा छे चक्र फरती १२ मात्रा छे

पडाल समथी उठे छे.

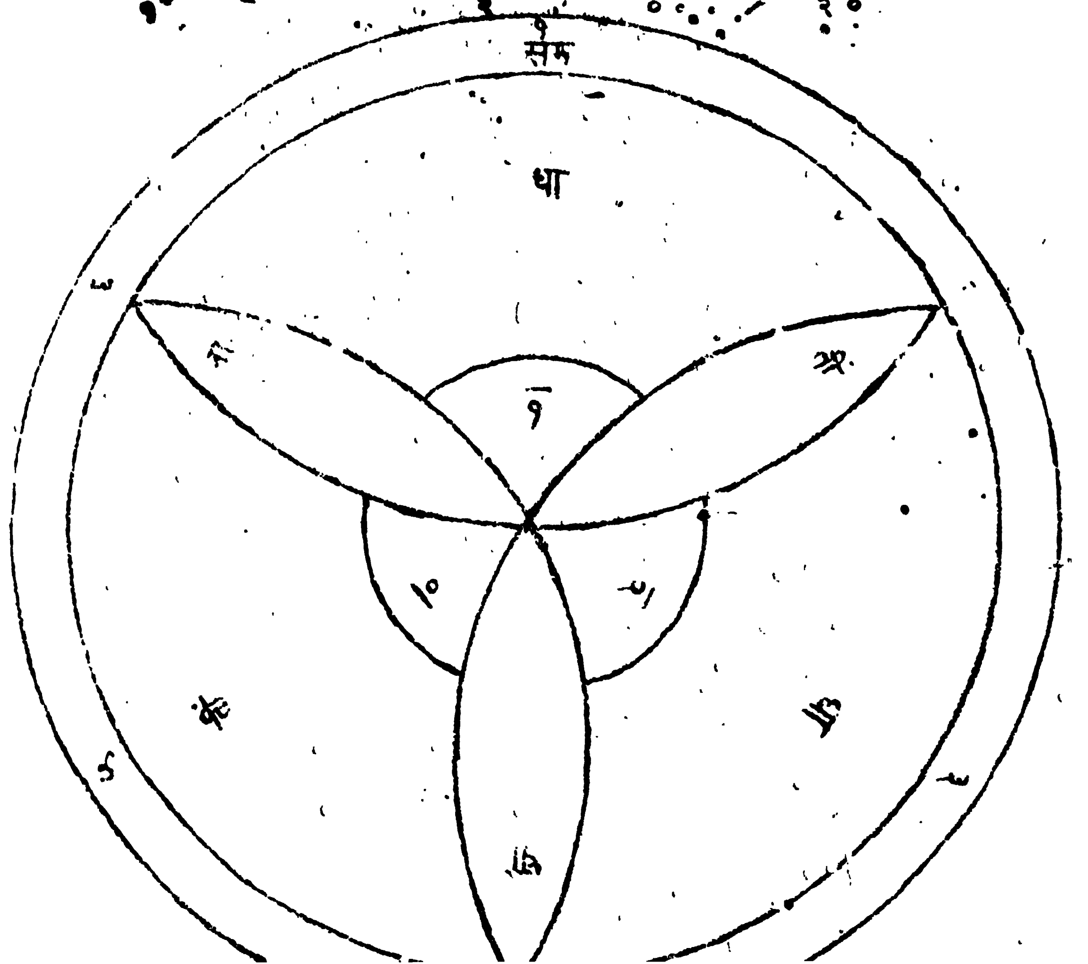
धातर गड धातर गड धीन कट धा तर कट धीन कट धा तरकट धीनकट धाकिट धाकिट धा.

तोडो समथी उठे छे.

कडान धिता धी धी धीता कडान धिता धी धी धिक्क तरकिट धा तरकिट धा तरकिट धा.

ताल दादरो मात्रा ५ मध्यकाळ तिश्रजाती.

सम				
धातिं	धा	धा	तींना	ताल
१		३	०	२०



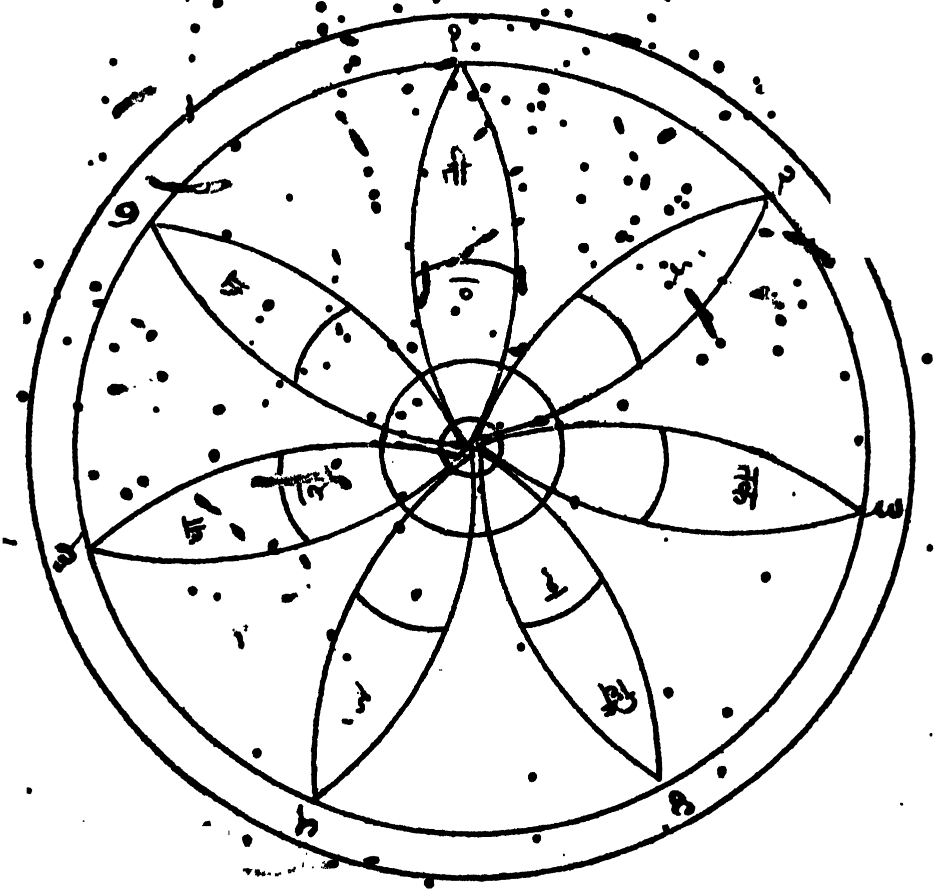
उपर लखेलो ताल दादरो तेनी मात्रा छ, छे, पेहेली मात्रा नीचे, धा, तेनी नीचे पेहेलो ताल, ते समनी जया छे; त्रीजी मात्रा नीचे, धा, ने बीजो ताल छे पांचमी मात्रा नीचे, ती, ने ० खाली छे चक्रफरती मात्रा, छ, छे.

गत दादरानी.

धा तितिकीट, धा. ततीकीट
धा ततीकीट, ता. ततीकीट

ताल गुजल मात्रा ७ बीलम्ब काळ त्रिश्रजाति

सम ताल
त क धीं इ धा धां तीं इ
२ २



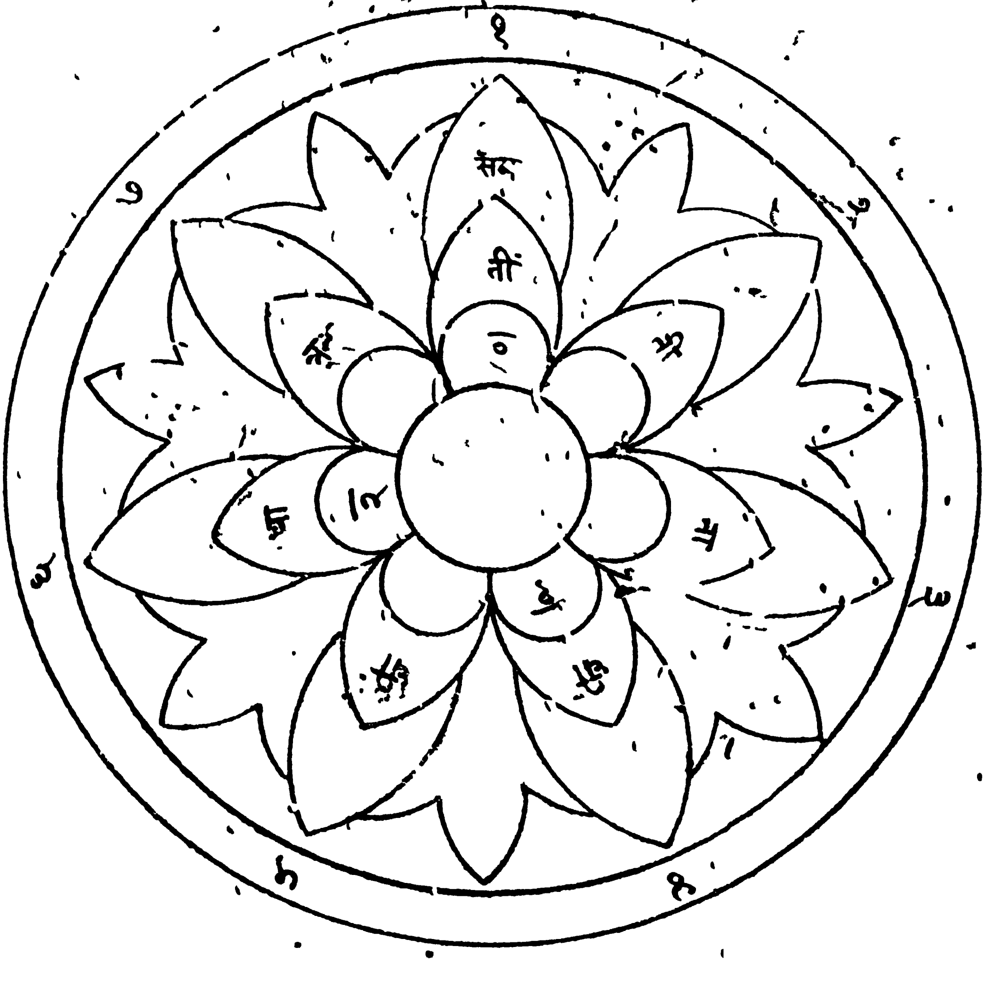
गजलनी आड

धा तीं धा धा तीं ता

उपरता बतावेला गजल ताल चक्रमां गोठवेल छे तेनी मात्रा सात छे, त्रीजी मात्रा अने तेनी नीचे; तक; शब्दथी शरुआत छे ताल खाली ०, उपर सम छे तेनी उपर पेहेली मात्रा छे.

ताल रुपक मात्रा ७ मध्यकाळ ताल तिश्र जाति

धीं धीं	धा त्रक	तीं तीं ना
१	२	०



उपर बतावेल ताल रुपक ताल नुं चक्र छे ने तनी मात्रा ७ छे चोथी मात्रा नी निचे धी ने पेहेली ताल थी शरुछे पेहेली मात्रा नी निचे ती ने खाली पर समझे.

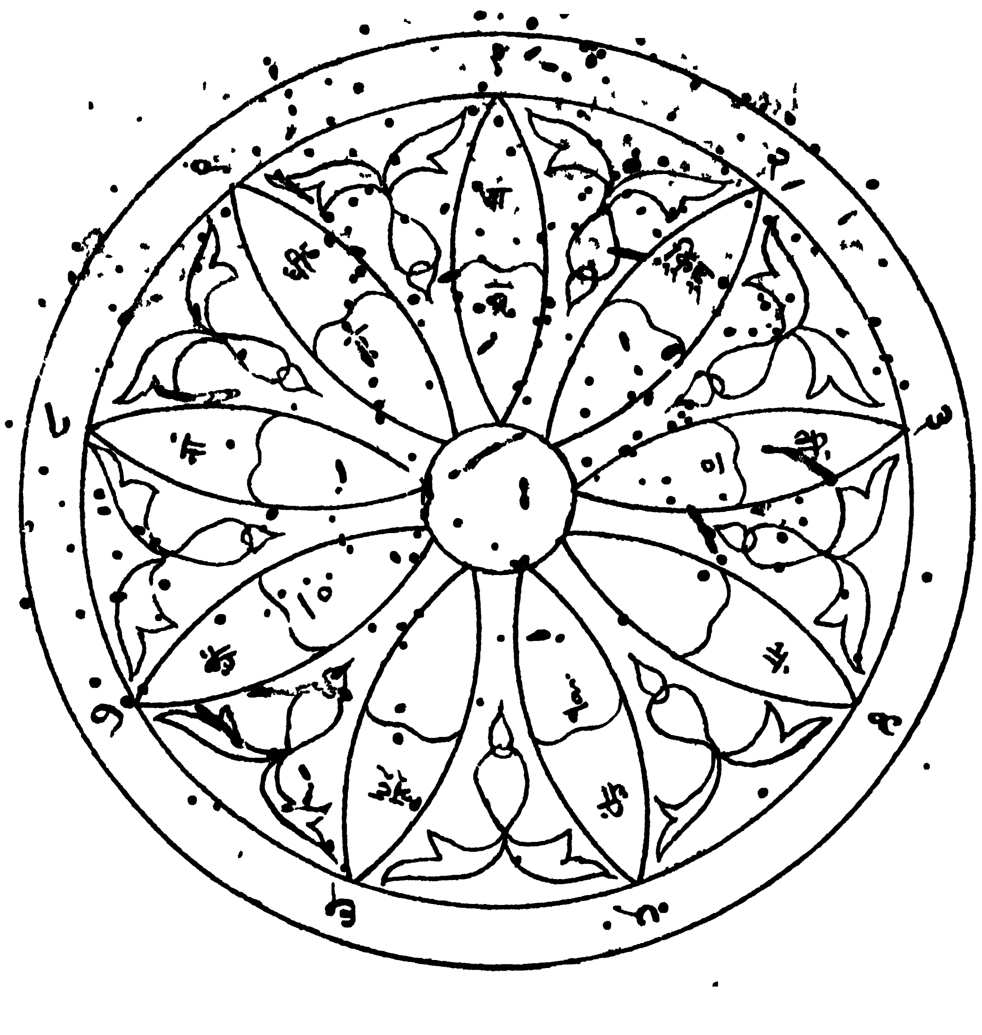
ताल निसारुक अथवा मद्रताल

मात्रा ९ मध्यकाळ

ताल १-२-३.

सम

धीं त्रट धींनां । धीं धा । कीट तींना



नीसारुक तालनी गत

सम

धा त्रक धिंन्नां धी धी कट तून्ना

१ ० २

कट धा त्रकं धिंन्नां धीं धीं कट धां

उपर लखेलो ताळ निसारुकनी मात्रा ९ छे—पांचमी मात्रानीचे—धी, ने पहेलो ताल छे ने ते जग्यायेथी शरु छे, ने पहेली मात्रा निचे, धा, ने बीजो ताल छे, ते समनी जग्याछे त्रीजी मात्रा निचे, तीं, ने ० खाली छे चक्रफरती मात्रा, ९ छे

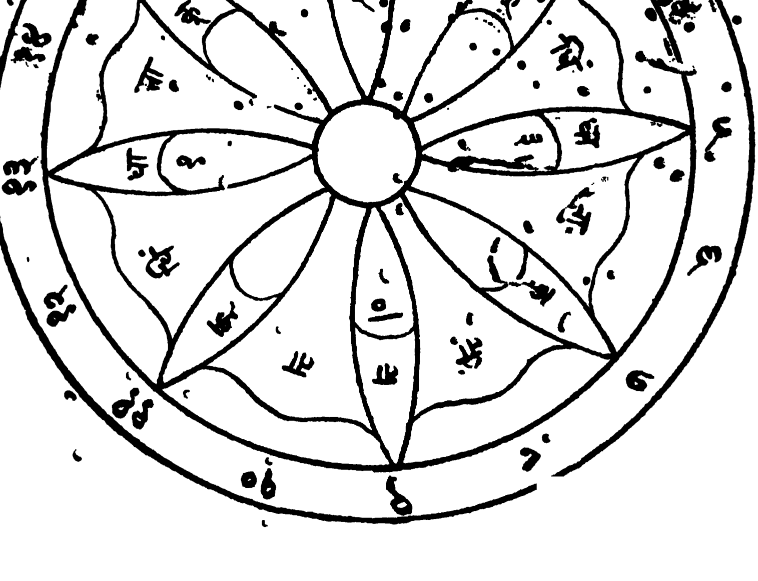
ताळ पंजाबि ठेको मात्रा १६.

मध्यकाळ. ताल ३ चतुश्रनोति,

सम

ता क धीं | धा ता क धीं | धा वा कधीं | धा ताक तीं | ता

१ ० २ ३ ०



उपर लखेलो ताल पंजाबी ठेकानी मात्रा. १६ छे, दसमी मात्रा निचे. ता, थी शरु छे, १३ मीं मात्रा निचे--धा, ने पेहेलो ताल छे. पेहेली मात्रा निचे धा, बीजो ताल छे, ते समनी जग्याछे. ५ मी मात्रा निचे धा ने त्रीजो ताल छे. ९ मी मात्रा निचे ता खाली छे चक्रफरती १६ मात्रां छे.

पंजाबि ठेकाबी गत

नो धी[२] धी[३] नों[४] | नो धि धीं नां | नों धी[११] धी नों | तीं[१४] ती ती नों | सोळमात्रा गणवी उपर प्रमाणे.

पंजाबी ठेकानी गत समथी उठे छे

धात्रक धि नों धीं नां. धात्रक धी नां धी नां धागि धात्रक धात्रक धी नां धीं नां, धागिनां धात्रक तात्रक तिनां तीनां. तागेत्रक तीनां. तीनां. धागिनां धात्रक धी नां धी नां धाधिनां धात्रक.

गत बीजी समथ उठे छे

धीं त्रट धी नां तु नां. कीड धत धि नां तुनां. किडनां कीट तक. तीत्र किटतक धिट धागीन. धात्रक

गत त्रिजी

धा तर धिडनक--धा तर धिडनक--धा तर धिडनक. तुनां गिडनां. ता तर किडनक ता तर किडनक. धा तर धिडनक तुना गिडनां.

गत चोथी

धीनक धात्रक. धीनक धात्रक, धा धा तर किट. धीनक धात्रक तूमा गिडना तरकिटत कता तरकीट; धी नक धात्रक तूना गिडना

गत पांचमी

धीऽनक धा तर. धीऽनक तीं नां, तीट धीऽनक. तीट धीऽनक तीं नां;

गत छठी

धात तिकीट. धा धा तूनां. ता‌ ‌ ‌. ततीकीट. धा धा तूनां,

पंजाबी ठेकानी आड

धा धीनक त्रकट. धीनक. धा तत्रक धिक्रट. धीनक तींन. नगीन. नधीन. तीकट धीनक धीकट. तीनक धीनः

त्रगडो

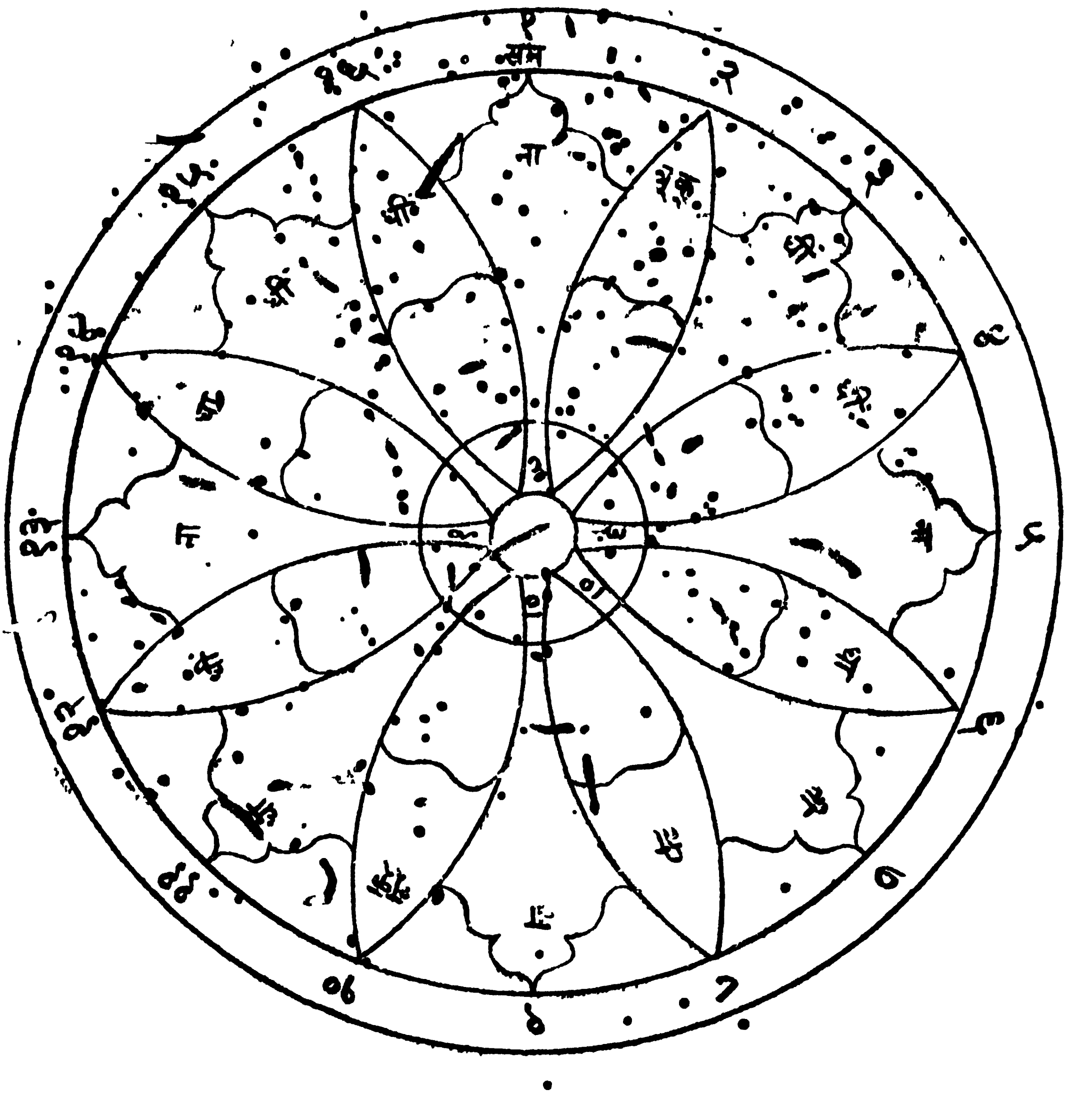
ध धी नां कीडतक. तरकीट तक. ताकीट तकता ध धी नां. कीडतक. तरकीट तक. ताकीट तकता ध धी नां कीडतक तरकीट तक ताकीट तकता

ताल तिलवाडो मात्रा १६ मध्यकाळ

ताल ३ चतुश्रजाति सम

त्र क धीं धीं | ना धा धीं धीं | ना त्र क धीं धीं

ना धा तीं तीं | ना



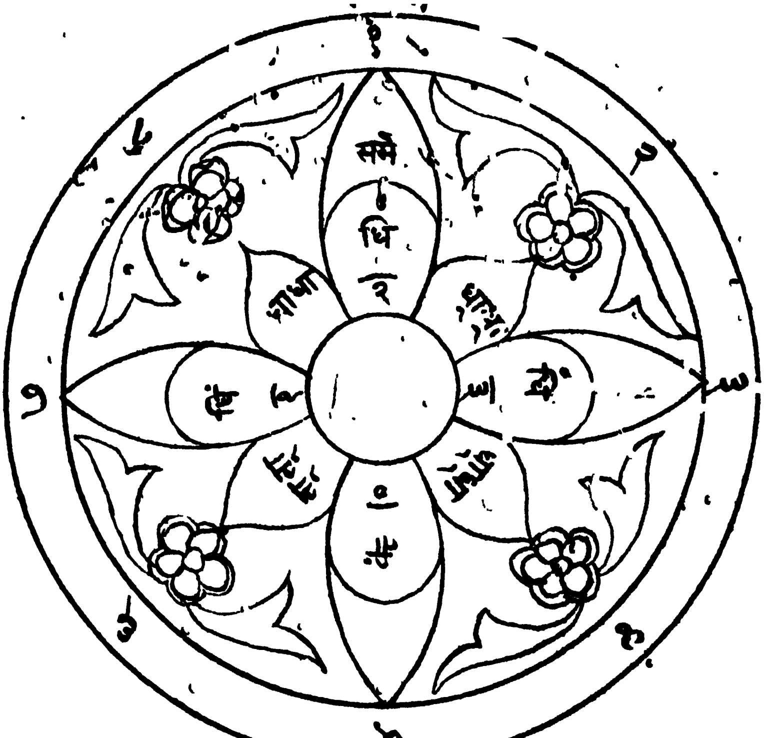
उपर लखेलो ताल तिलवाडो तेनी मात्रा १६ छे. दसमी मात्रा नीचे त्रक, शब्द छे त्यां थी शरुवात छे तेरमी मात्रा निचे; ना; छे ने पेहेलो ताल छे पेहेली मात्रा नीचे ना छे ने तेनी नीचे बीजो ताल ते समनी जग्या छे सातमी मात्रा निचे; ती, छे, तेखालीपर छे चक्रफरती १६ मात्रा छे

गत तिलवाडानी

धीनक धात्रक धीनक धात्रक धा धा तरकीट. धीनक धात्रक
तुन्ना गीरडना तरकीट तकता तरकीट तकता तरकीट

ताल त्रिताल मात्रा ८ मध्यकाळ चतुश्रजाती. ताल ३

धीं धा धा । धीं धा धा । धीं धा धा । तीं ता ता



उपर लखेलो ताल त्रिताल नी मात्रा ८ छे, सात मी मात्रा नीचे, धि, ने पेहलो ताल छे, भेतेज जग्याथी शरु आत छे पेहली मात्रा निचे, धी, ते ना नीचे बीजा तालपर सम छे त्रीजी मात्राने ते ने नीचे; धी, ने त्रीजो ताल छे पांचमी मात्रा नीचे, ती, खाली छे चक्र फरती; ८, मात्रा छे.

त्रीताल नी गत समथी उठे छे

सम

फता धी धी तु नां कुता भां धिरकट धिरकट तुक

२ ३

बीजी गत समथी उठे छे

सम

धि ता तीं ती गट तक धातर गड ता तर गड

२ ३ ० १

गत त्रीजी समथी उठे छे आड

सम

धा धीनक त्रकिट धीनक धात्रक धीनक धीनक तीन

२ ३ ० १

नगीन नगीन त्रकट धीनक धात्रक धीकट धिनक तीन;

२ ३ ० १

गत चोथी समथी उठे छे

सम

धागीरट, धागीटट, धागीनग तु नाटट, तागीटट तागीटट

२ ३ ० १ २ ३

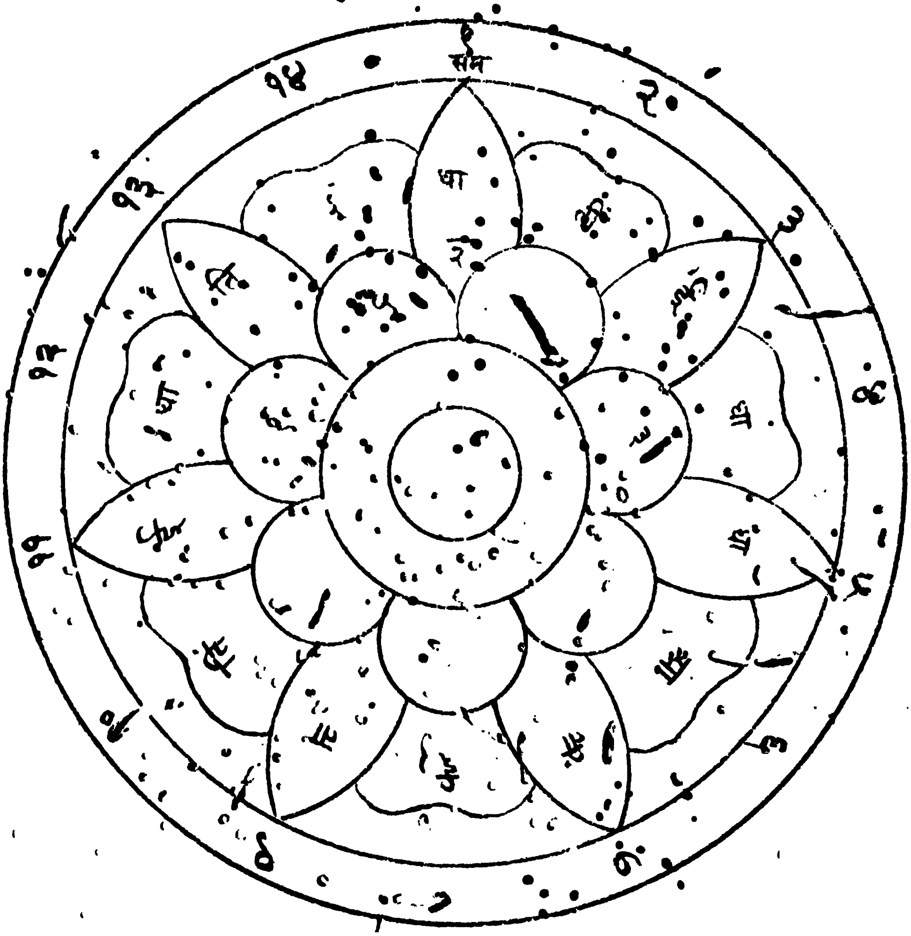
गीदगीन तु ना गीनां,

० १

ताल दिपचंदी, मात्रा १४ मध्यकाल

तीं-जा.

सम			ताल ३
धाती	धार्ती	धाधाती	ताती
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
	२	३	



ऊपर बतावेल ताल दीपचांदिनी मात्रा १४ छे. बार मी मात्रा-नी निचे, धा. ने पेहेलो ताल. थी शरुआत छे पेहेली मात्रानी निचे धा ने बीजो तालपर सम छे चोथी मात्रानी निचे धा, ने त्रिजो ताल छे नवमी मात्रानी निचे ता, ० खाली छे.

पडाल पेला तालथी उठे छे ..।

सम

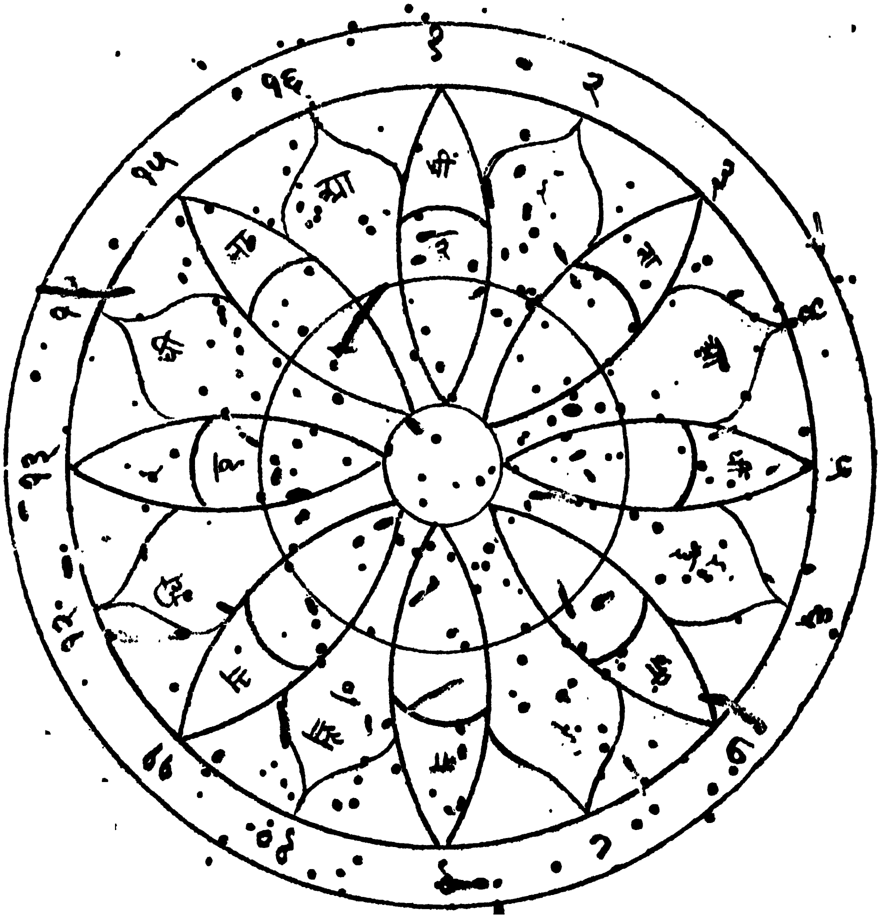
धा धा तरकट धा धीटतक, धा धा तरकट ता कटतक

ताल ३ तिच. जा.

ताल ख्याल मात्रा १६ विलबंकाल

सम

ता धीं इ धी ना आ धी इ तां आ धी इ धीइ ना आ

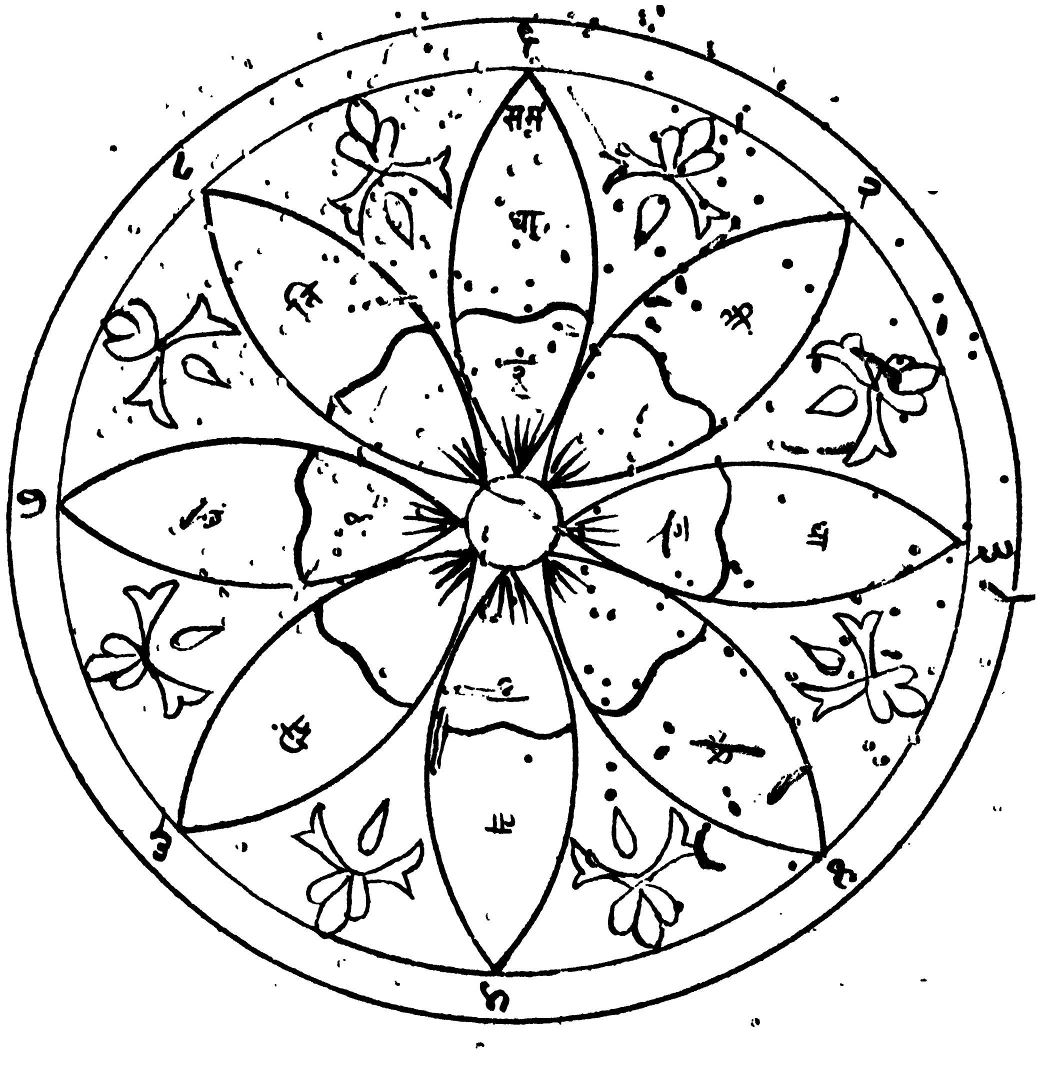


उपर बतावेल ताल ख्यालनि मात्रा १५, छे ११, मी मात्रा नीचे ता. थी शरु छे. १३, मी मात्रा नीचे इ छे तेनी नीचे पहेलो ताल छे पहेली मात्रा नीचे धी, ने बीजो ताल छे ते जग्या समनी छे १० मी मात्रा नीचे आ ० खाली छे चक्र फरती १६ मात्रा छे

ताल ३ च. अ

ताल चलति मात्रा ८ मध्यकाळ

सम				
धातिं	धातिं	धातिं	तातीं	
ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	
१	२	३	०	



उपर बतावेल ताल चलतिनि मात्रा ८ छे, सातमी मात्रानी निचे धा, ने पहेलो तालथी शरु छे पेहेली मात्रानी नीचे धा, ने बीजा तालपर सम छे पांचमी मात्रानि नीचे ता, ० खाली छे चक्रमां सउनी उपर मात्रा ८ गणवानुं चक्र छे.

चलतिनि गत

धिनताक - दधिनाक

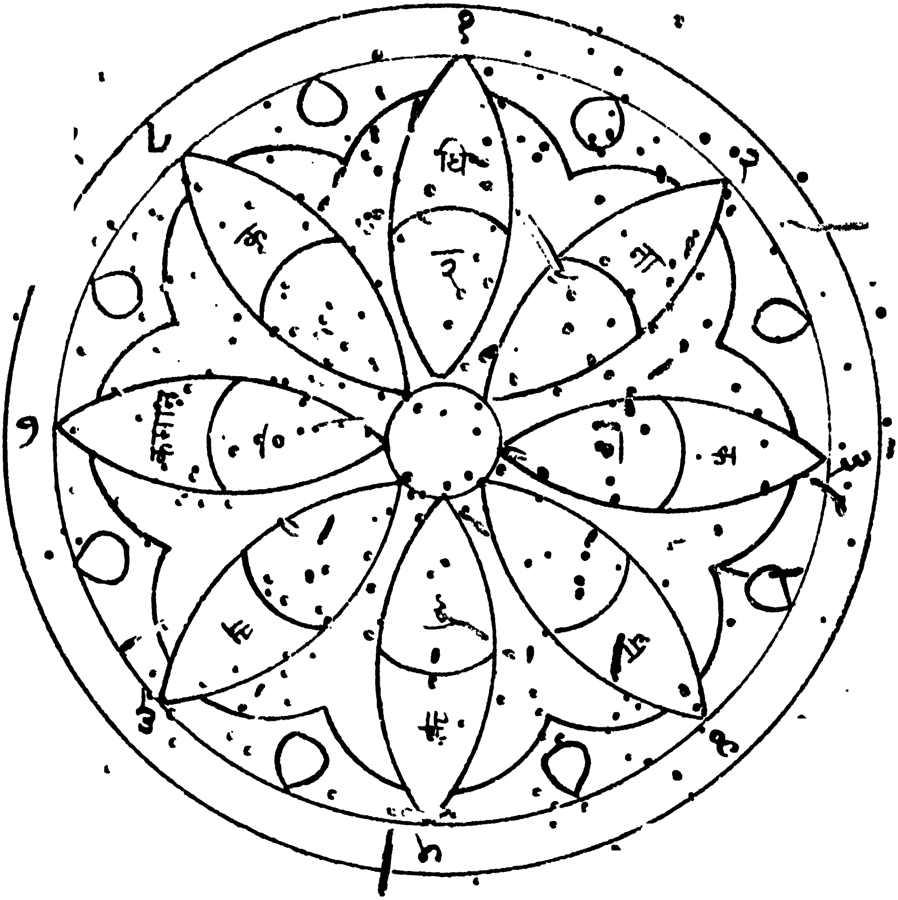
बीजी गत

धीं धांधें धी भा- तीं ता तीं ती ना

ताल
तिश्र जाती
१—२

ताल हिंच धीमटो मात्रा ८

सम
तीं ता कता क | धि ता | क धा |
१ ० २ ०

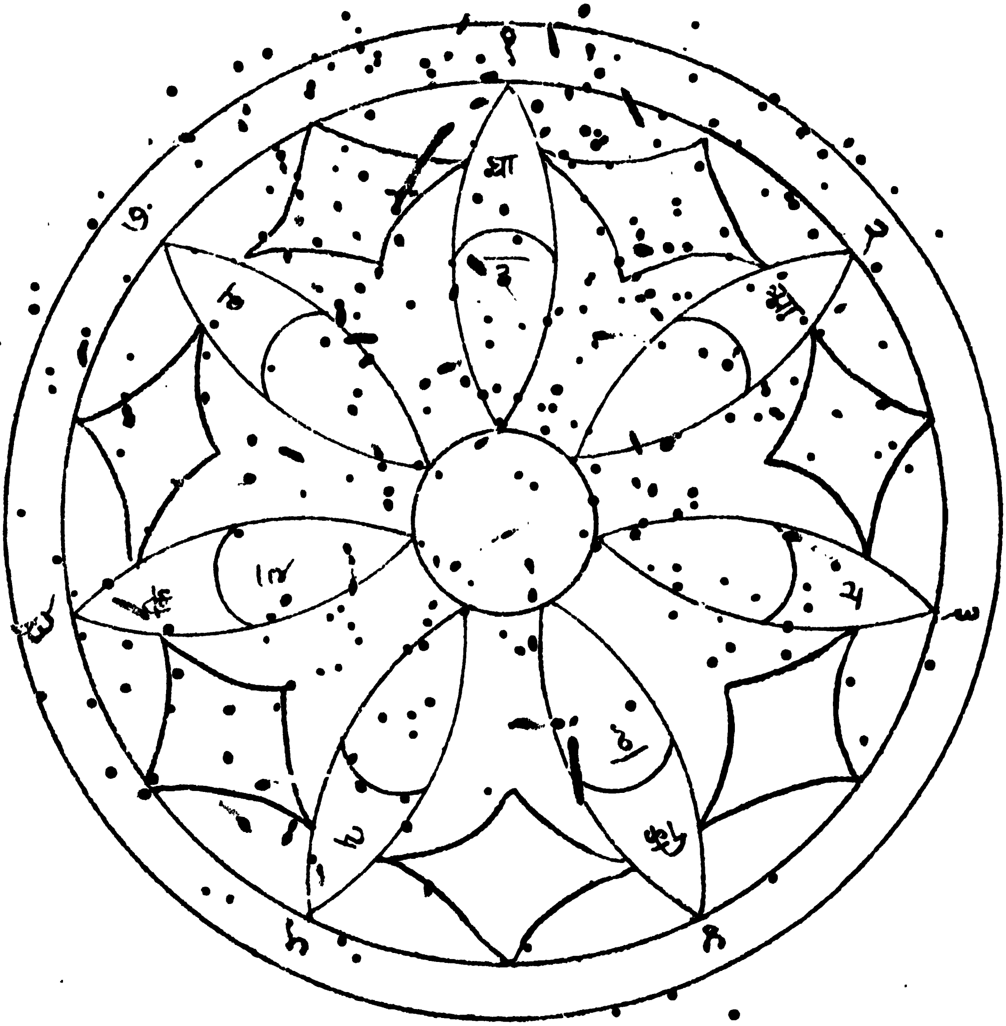


उपर लखेलो ताल हिंच. तेनी मात्रा ८, छे. ५, मी मात्रा निचेति, ने पेलो ताल छे— ७ मी मात्रा निचे. कता. ने ० खाली छे. पेली मात्रा निचे- धी. ने, बीजो ताल छे. ते. समनी जग्या छे त्रीजी मात्रा निचे क; ० खाली छे चक्र फरती ८ मात्रा छे.

ताल
३ ति. जा.

ताल तिवरो मात्रा ७ मध्यकाळ

त । कीट कीट । धा आ ।



उपर बतावेल ताल तिवरानी मात्रा ७ छे त्रीजी. मात्रानी निचे तथी शरु छे पेहेली मात्रानी निचे धा, ने त्रीजा तालपर सम छे सातमी मात्रानी निचे ट छे चक्रनि फरति मात्रा ७ छे

पंडन समथि उठे छे

कडांन धिता धी धी ता धांकीट धाकीट धा, कडांन धिता धी धी ता. धाकिट. धाकीट धा, कडांन धिता धी धी ता धाकीट धाकीट धा

पडन बीजी समथी उठे छे

धा धा किडनक धा किड, नक धा धा कीडनक

सम

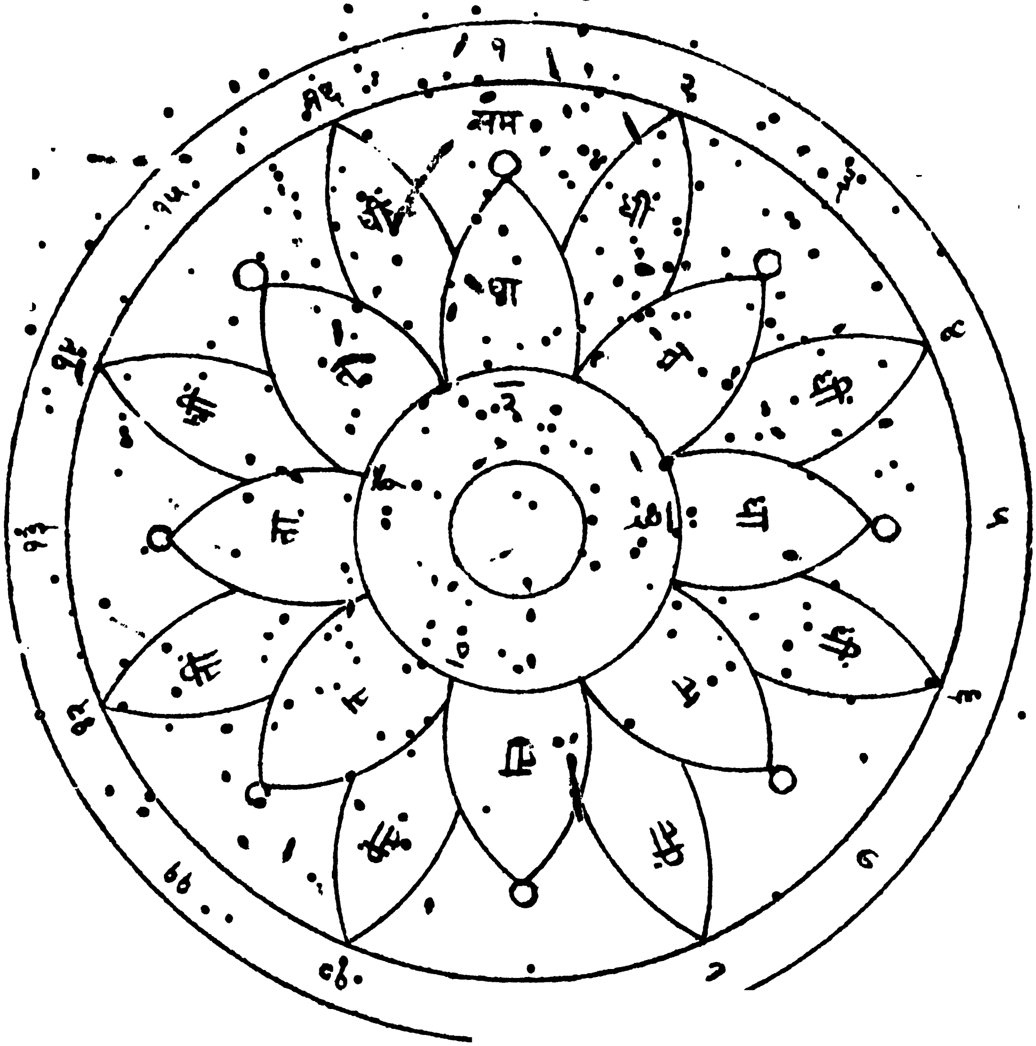
ताकीडंनक धा धीट तक गीद गीन धा

३ २ १

ताल ३ व. जा.

ताल टपो मात्रा १६ बीलम काळ

त ती ता	धिं त धिं धा	धिं त धिं धा	धिं त तिं ता	तिं
ऽ ऽ	ऽ० .. ⁝	ऽ० ऽ ऽ	ऽ० ऽ ऽ	ऽ०



उपर लखेलो ताल टप्पो तेनी मात्रा १६ छे ११, मी मात्रा नीचे, त, थी शरु छे, १४, मी मात्रा नीचे, धी, ने पेहेलो ताल छे, पेहेली मात्रा निचे, धा, ने बीजा तालपर सम छे. पांचमी मात्रा निचे धा, ने त्रीजो ताल छे, नवमी मात्रा निचे ता छे, १०, मी मात्रा नीचे तीं, ० छे चक्र फरती १६, मात्रा छे.

टप्पानी गत

धागिनां. धात्रक. धिनां धिनां धागिनां धांत्रक. तागिनां तात्रक तीनां तीनां.

पड्ताळ समथी शरु छे.

धातर क्डि धी तट कड धा तीट ता

गी टी ट कत गदी गन

धे तर किट तक | ता ती टक टा गदी गन दी ग दी ग न

ताल ३

ताल जुमरो मात्रा १४ मध्यकाळ

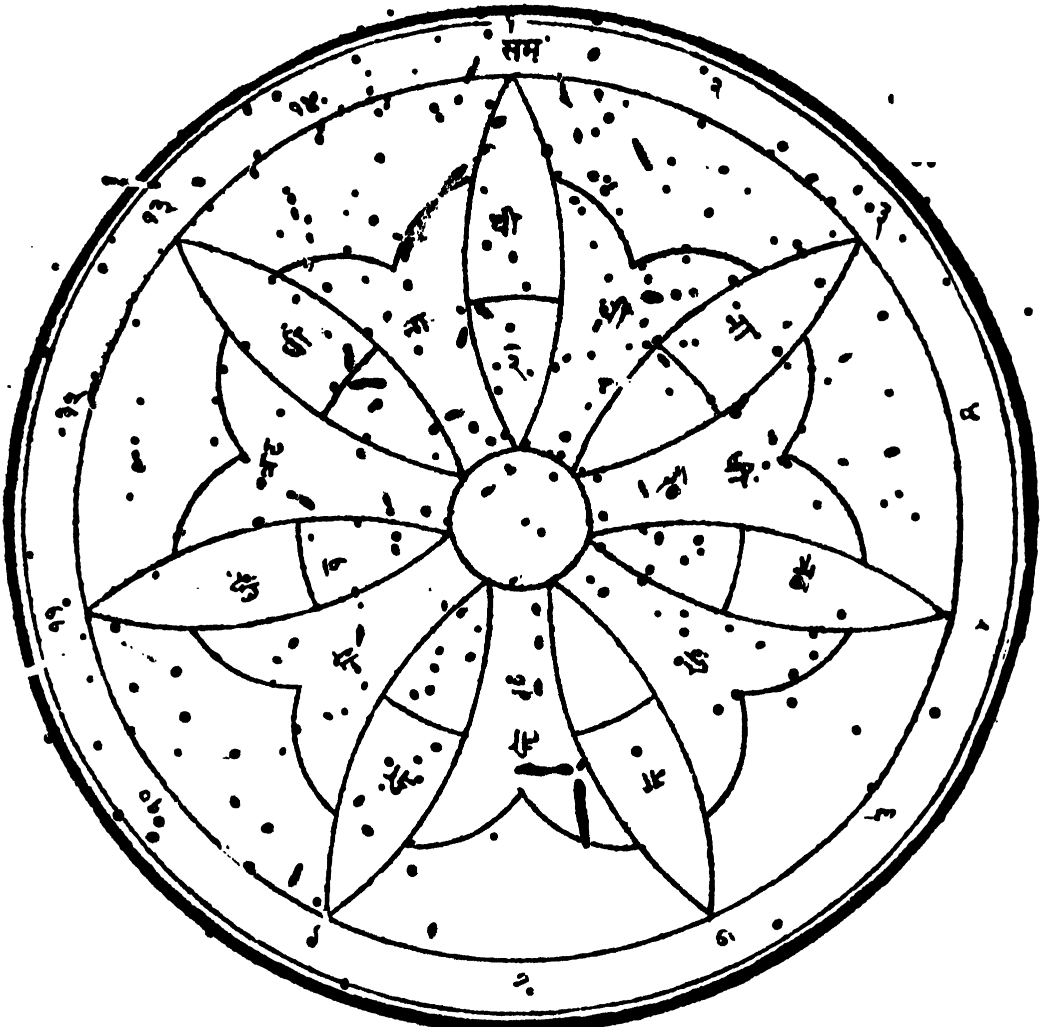
सम

धिंत्रट धिंन्ना | धी धी ना |

१ऽ ।ऽ ऽ २ऽ ऽ ऽ

धित्रट धिंना | तिं ती ना |

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ



उपर लखेल ताल जुमरो तेनी मात्रा १४ छे. ११, मी मात्रा निचे, धी, ने पेहेलो ताल छे त्यांथी शरु आत छे. पेहेली मात्रा नीचे, धी, ने बीजो ताल छे, ते समनी जग्या छे चोथी मात्रा

निचे; धी, ने त्रीजो ताल छे, ८, मी मात्रा निचे. ति, ने ० खाली छे
चक्र फरती मात्रा १४, छे

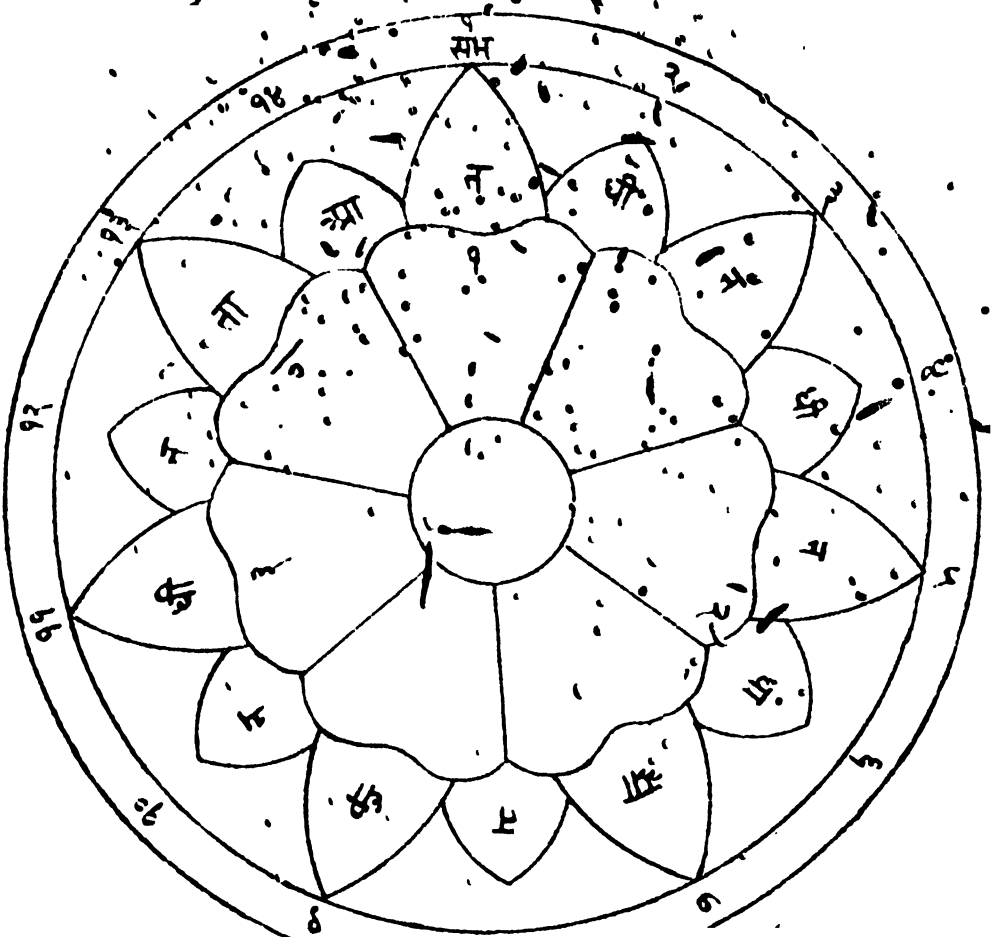
गत ज़ुमरानी पेहेला तालथी शरु छे

धा धा तृरकीट. धा तरकीट धा धा तरकीट. ता तरकीट

ताल. ३
२ खंड जाति.

ताल धमाल मात्रा १४ मध्यकाळ

त धान धान । धा. आ त धीन । धीन ता आ ।



उपर लखेलो ताल धमालनी मात्रा १४ छे पेहेली मात्रा निचे, त, ने तेनी निचे पेहेलो ताल छे. ते समनी जग्या छे ने त्यांथी शरु छे. छठि मात्रा निचे धां; ने बीजो ताल छे. ११,मी मात्रा निचे. धीने त्रीजो ताल छे. १३,मी मात्रा नीचे. तां, ते ० खाली छे. चक्र फरती १४, मात्रा छे.

पडाल. धमालनी.

धातर कीट धां; धातर कीट धा. कीडांन धी ता कीट ता धीन कट धा. कीट धात. धात. धा; \.

त्रीजी पडन.

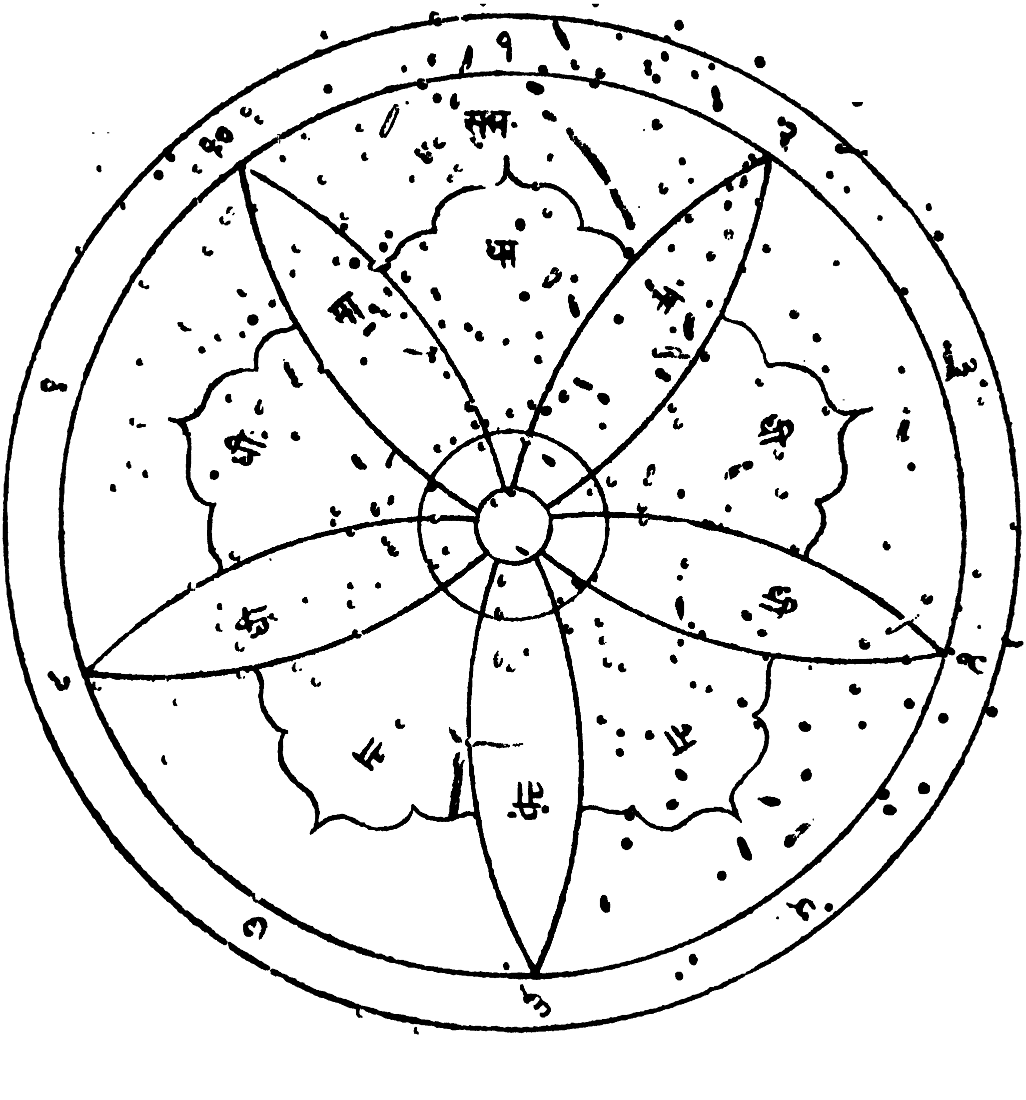
धा धां कीट तक धा कीट तक. धा धां कीट तक. ता कीट तक

ताल चर चरि अथवा ज़पतालो

ताल १ मात्रा १० मध्यकाळ ताल ३

सम

धी धी नां	धी नां	धी धी नां	ती ना
१	२	३	०



उपर लखेलो ताल चर चरिनी मात्रा १० छे आठ मी मात्रा निचे, धी, ने पेहेलो ताल छे ते जग्योरा थी शरु आत छे पेहेली मात्रा निचे धीने बीजो ताल छे ने ते समनी जग्या छे, छठि मात्रा निचे ती ने खाली छे, चक्र फरती १० मात्रा छे.

चर चरीमाँ गत समथी उठे छे

धा धा तरकट धीनकट धा, धा धा तरकट धीनकट धा, धा धा तरकट धीनकट धा,

गत बीजी

धा धडिन कीट तक तरीकिट तक तरकिट कीट धीनकट तरीकिट तक धीं धी गन धा,

पडाल.

धीना किटता इधिना किटता धी धी मन धिना, धात निकट धीनकट तबीकव धीनकट धा;

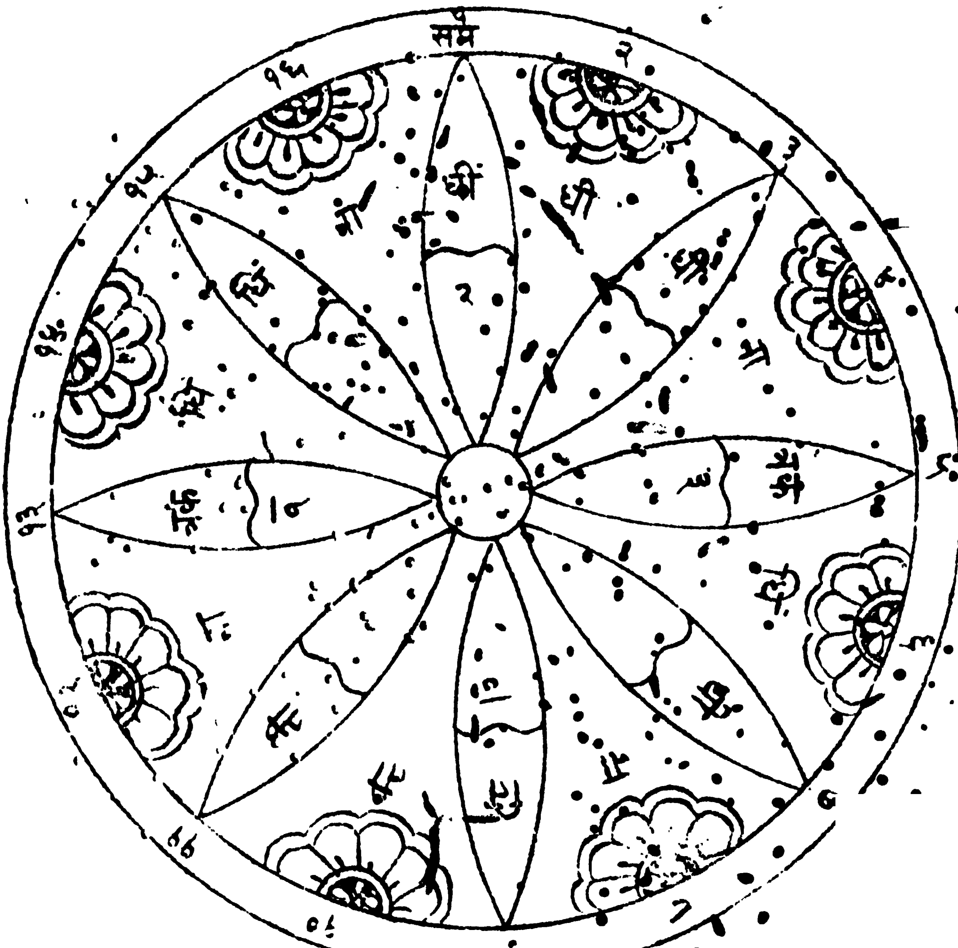
ताल ३
मध्यकाळ.

नाचनिगत मात्रा १६

सम

त्रकधिं धिंना | धी धी धी ना |.

त्रकधिं धीना | तीं तीं तीं ना |



उपर लखेला नाचनी गतनी मात्रा १६ छे, १३, मी मात्रा निचे, त्रक, थी शरु छे, १४, मी मात्रा निचे, धी, छे पेली मात्रा निचे, धीने बीजो ताल छे ते समनी जग्या छे, ६, ठी मात्रा नीचे धी, छे ९, मी मात्रा निचे, तीं, ० खाली छे. चक्र फरती १६ मात्रा छे.

नाचनी मत

तक थेई थेई थेई, ता, थेई थेई थेई
तक थेई थेई थेई, ता, थेई थेई थेई

त्रगडो

तक तक थेई थेई थेई
तक तक थेई थेई थेई
तक तक थेई थेई थेई
तीगधा तीगधा कुडांग तधा

नाचमि गणत्रि त्रीतालथी उठे छे

एक बे त्रण चार पांच छ सात
एक बे त्रण चार पांच छ सात
एक बे त्रण चार पांच
एक बे त्रण चार पांच
एक बे त्रण चार पांच

बीजी

एक बे त्रण चार पांच छ सात
एक बे त्रण
एक बे त्रण चार पांच
एक बे त्रण चार पांच
एक बे त्रण
एक बे त्रण चार पांच

गत पगथी उठाववी.

नक तक थुनां तक नक थुनां
क्रिग धेता थुननक थुननक

कडांनतधा कडांनतधा कडांनतधा,

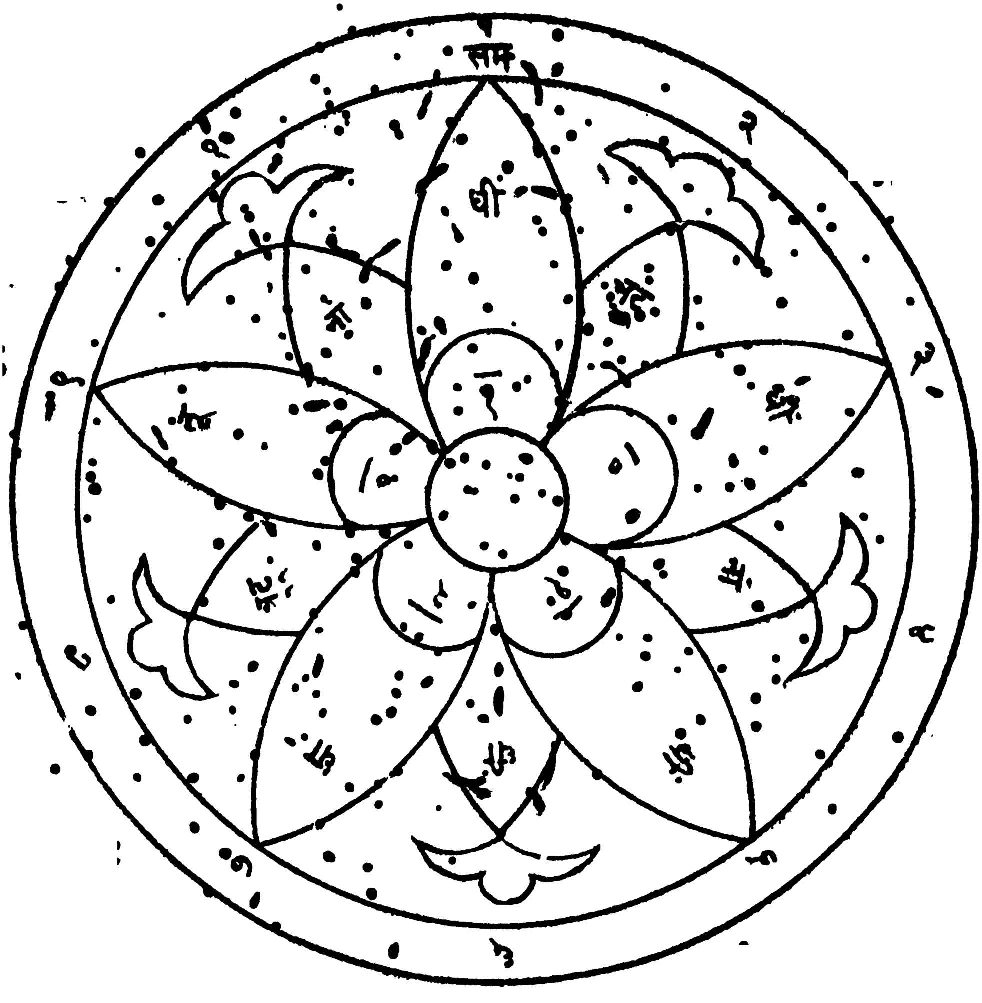
गत

तीग तीग थेई तीग धेता
तीग तीग थेई तीग धेता
तीग तीग थेई तीग धेता
तीग तीग तीग तीग तीग धेता
तीग तीग तीग तीग तीग धेता
तीग तीग तीग धीग तीग धेता
कडांन तधा कडांन तधा कडांन तधा;
छीक छीक छां छीक छीक छां छीक छीक छां;

च. जा.

ताल सूर फाग मात्रा १० मध्यकाळ
अथवा मठ ताल

सम
धींत्रट धीनां | धी धीं | धा त्रट तूनां |
१ ० २ ३



उपर बतावेल सूर फांग अथवा मठ तालनी मात्रा १० छे पेली मात्रानी नीचे धीः पर समछे त्रीजी मात्रानी निचे धी, पर ० खाली छे नवमी मात्रानी नीचे तू पर ० खाली छे ना, उपर दसमी मात्रा छे, चक्र फरती मात्रा १० छे

सूर फांगनी पढाल समथी उठे छे

धागीन धागीन धात्रक धीना धागीन धागीन तात्रक तिना,

तोडो समथी उठे छे

कडान धित धीधीता धधीन तकट

धीनकट धा धधिन तकड धीनकट

धा कीटधा;

सूर फागनो तोडो समथी

तग गदि गन | तृक धूम | कीटतक गदीगन

ताल ४ मध्यमकाळ.

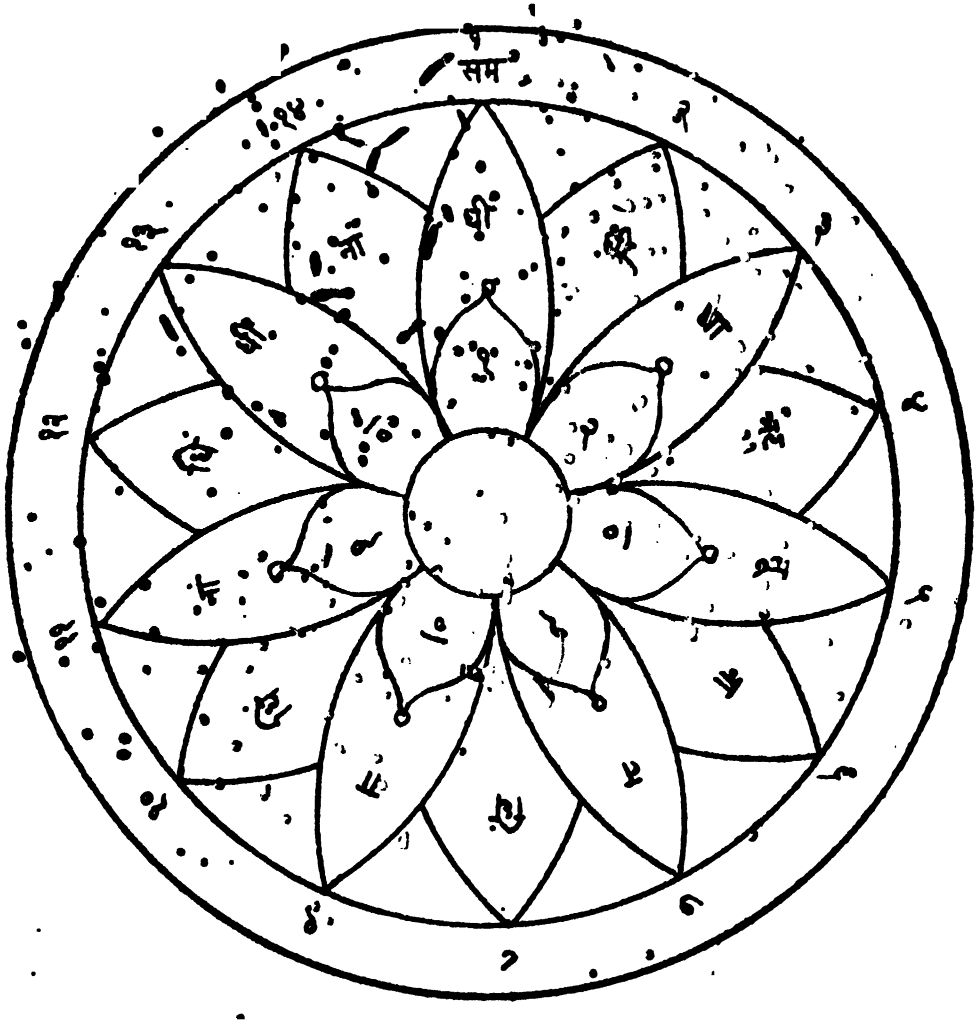
१-१-२ ब. आ.

ताल आड़चोताल मात्रा १४

सम

तृ धिं नां धीं | नां धिं धीृ नां | धीृ धीं | धाृ

—च्र्रद तूनां | कता त्रंक धीं नाधीं धींनां धींधीं धा त्रक तुना



उपर लखेलो ताल आड्चोताल तेनी मात्रा १४ छे. सातमी मात्रा निचे. त, पेलो तालछे त्यांथी शरु छे. नवमी मात्रा निचे., ना; ने ० खाली छे. अगीआरमी मात्रा नीचे, ना, ने पेलो ताल छे. तेरमी मात्रा निचे, धी, ने ० खाली छे, पेली मात्रा नीचे, धी, ने पेलो ताल छे ते समनी जग्या छे. त्रीजी मात्रा निचे-धा, ने बीजो ताल छे. पाचमी मात्रा नीचे-तू, ० खाली छे.

चक्र फरती मात्रा १४ छे
आडचो तालनी पडन समथी उठे छे

धातरकीट. धातरकीट. तातरकीट. धातरकीट.
धीनकट. तकीट तकीट धातरकीट. तकीट. तकीट. धातरगड. धीनकट. धाकीटता. धीताः कीटता.
धीनकटधा. कीट. धा त त धा. तधा,

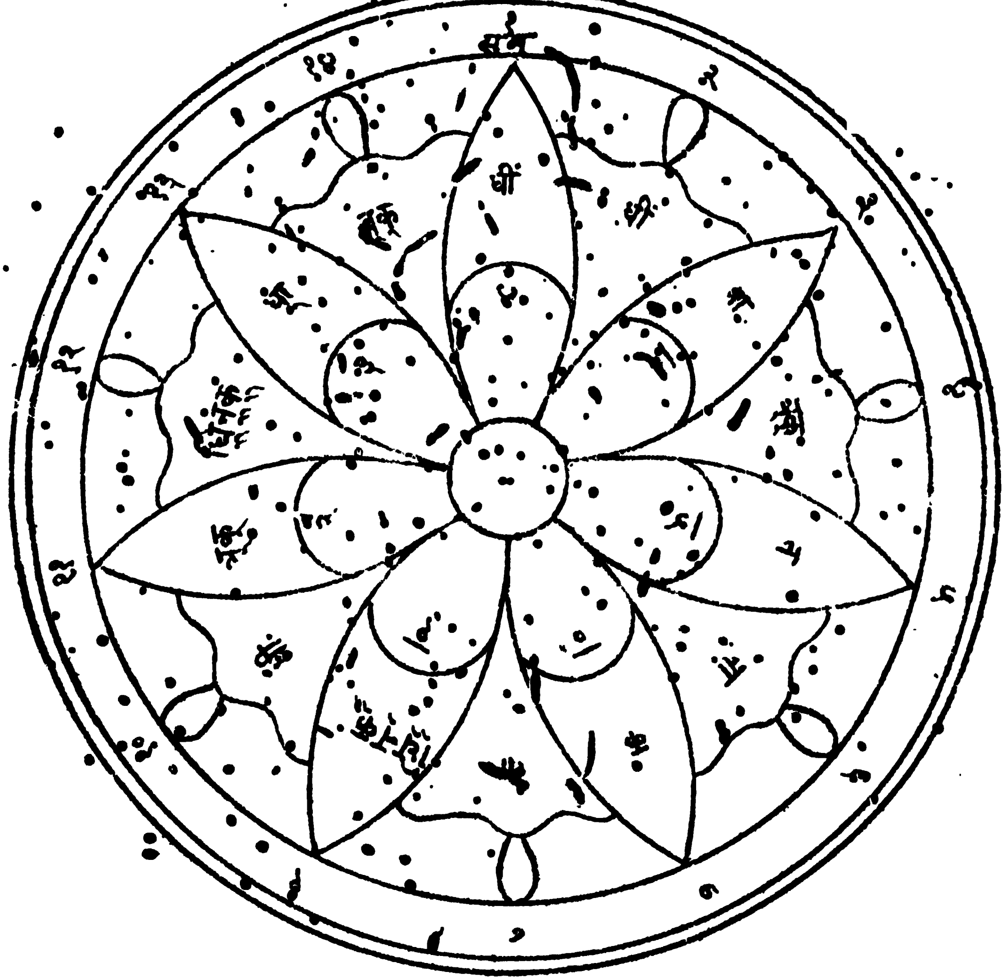
पडाल

धाकिडांन. ततीकट. धीनकट धीताधा. पवधा.
धधीनत कटधीन कटधा,

च जा. ताल ५
४-१ मध्यम काळ

ताल फरोदस्त मात्रा १४

सम
धिनक धा | त्रक धिन | क धा त्रक | धीं धी
ना त्रक | तूना कता |.



उपर बतावेल ताल फरोदस्तनी मात्रा १४ चक्रमां गोठवे ल्छे चोथो ताल तेने माथे धी, पर समछे छठी मात्रा नीचे ना, छे नवमी मात्रा नीचे धीनक, शब्दछे, त्यांथी बोलनी शरुवातछे.

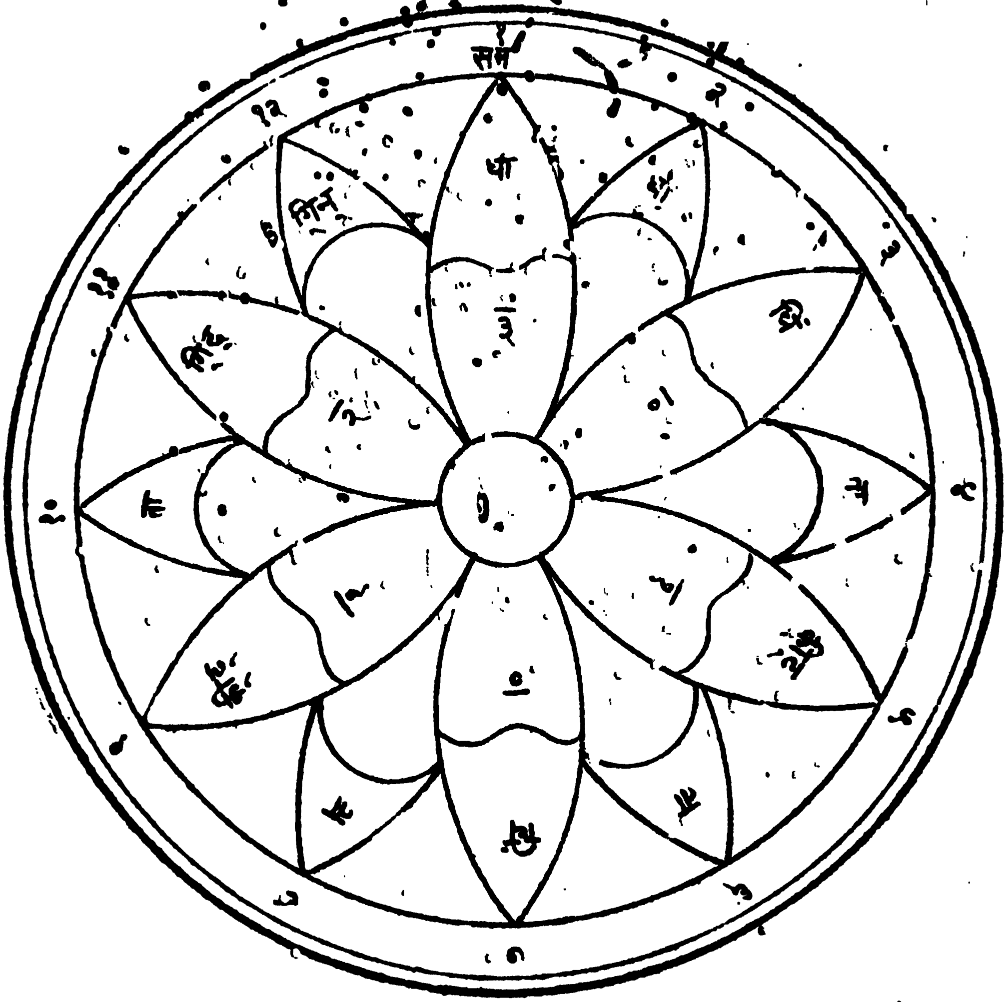
ताल फरोदस्तनी पडाल मात्रा १४

धाधा तरकट धीनकट धा धातरकट
धींनकट तरकट धीनकट धा तरकट
धींनकट धा तरकट धीनकट धा

बजा ताल
मध्यकाळ.

ताल ध्रुपद मात्रा १२

धाधा धिंता | कीटता धिंता | किटता गिदू गिन |



उपर बतावेल ताल ध्रुपदनी मात्रा १२ छे.

पेहेली मात्रा नीचे धा, तेनी नीचे त्रीजो ताल छे ते सम नी जग्या छे, त्रीजी मात्रा नीचे, धी छे, ने तें ० खाली छे, पांचमी मात्रा निचे पेहेलो ताल छे, सातमी मात्रा निचे ० खाली छे नवमी निचे १ ताल छे ११ मात्रा नीचे बीजो ताल छे ताल चक्र फरती १२ मात्रा छे मात्रा नीचेना कोठामां ध्रुपदना बोल गोठवेलछे तेनी नीचे तालनो कोठो छे

ध्रुपदनी अस्ताई

न १ समथी.

सम

धा धी नी नक तक धी नी नक तक

धी नी नक धी धी नक तक

ध्रुपदनी पडाल, पेला तालथी उठे छे

न २

धा धा धा तरकीट धा तरकीट धा

तरकिट धा तरकिट धिना तरकिट

धा - धिता तरकिट तधीन तरकिट.

सम

तरकिडान धातरकट धीनकट धा

पडाल बीजी । समथी उठे छे

न ३

सम

धातरगड धातरगड धीं नां, धातर

गड तकता तरगड तक. तरकिडान

धा तरकट धीनकट .

पडाल त्रीजी त्रीजा तालथी उठे छे

न. ४

सम

धींता धींता कीट तक धींता कीटतक

ना धिरकट तकधीता किलांनधीनां

तादिथुनां ताकीट तक धिरकट तक

दधिगन धा धींता ताकीट तक धीर,

कट तक दधिगन धा धीनां ताकीट

सम

तक धीरकट तक दधिगन धा

पडाल चोथी त्रिजा तालथी उठे छे

न. ५

कडान धीता धीधी धींता किटतक धि धी
गनधिता किट धुमकट तक धिना धिता
किडांभपत धिनतकट धीनकटधा धधि
नतकट धिनकट किडनांकिट धिता किलान
धोकटतक धुमीकट कीटा कीटता कीटतक
ता किटतक धिधीगनधा

पडाल पांचमी समथी उठे छे

न. ६

धा धडिन कीटतक तरकीट तक तरकिटा
तक कीटतक तरकिट तक तरकिट तक धणी
नक दधिन तकिटधा किडांन धा धितातर
कीट धीनकट धा, तरकिटातकधा, तरकिटा
तकधा, तरकिटातकधा;

ध्रुपदनी पडाल छठि समथी उठे छे न. ७

धा ततिकीट धिता कीटधीनकीट धीन कीटधिता धाकीटता कीटत्ता कडांन कीट धां धाधिता धाकीटता

धीनकीटता; धांकीडांन कीटधीन कीट धाकीडांम कीट धीनकीट, धाकीडांन कीट धीनकीट धां,

ध्रुपदनो तोडो समथी उठे छे न. ८

सम

कडांन धिता धी धी ता धधीन तकट धीनकटधां, धं धीनतकट धीनकट धी धधिनतक्कट धीन कट,

ध्रुपदनो तोडो बीजो समथी उठेछे न. ९

सम

कडांनधिता, धधिंनतकटा धीनतकट :धी नकट धा; धीनतकट धीनकट धां, धीन तकट धीनकट,

ध्रुपदनो तोडो समथी उठे छे न. १०

सम

धातरकीडांम, धातरकीडांन, तरकीडांन, तरकीडांन, धीता धीधीता, धधीनतकट धीनकट.

ध्रुपदनी आड समथी उठे छे
न. ११

सम

त्रोधां त्रोधां धुननन किड़तलांन त्रकट
त्रकट धीकट त्रकट धी धी कट कट थोंग
थोंग कीडतलान कडांन कडांन, त्रकट
धिनां त्रकट धात् धा, त्रकट धीना त्रकट
धात् धा, त्रकट धीनां त्रकट धात् धा,

ध्रुपदनी आड समथी उठे छे
न. १२

सम

धा धीनक त्रकट धीनक धात्तर गड धीनक
तीनक धीन नगीन नगीन धा त्रक धीकट

ध्रुपदनी आड समथी उठे छे
न. १३

तरगड तकवा नगन नगन दिग गदिगन
दिग गितांन तगदिग कतांन धा तांन
धातीगन धाकीट तक कीत्रक धिकट
कीत्रक धिकट तकगं दिगन. धगनननन
गीननननन, दिगगदिगन नमभ नगन दिग
गदिगन दिगगीतान धागि कीटकतां धा,

ध्रुपदनी गत समथी उठे छे
न. १४

सम

धातर धीडनक धातर धीडनक
धातर धीडनक, तूना गिड्नां

ता तरकीडनक, ता तरकीडनक

तोडो समर्थी उठेछे

सम

कीडांन धीता धातरी गन धातरी गन. धा,

कीडांन धीता धातंरिगन धातरिगन तरीगन

ध्रुपदनी अस्ताई

मध्यम काळ

ताल चार

सम

धा धा धिता कीड धते धींवा कवा कीटक

त गिनतक धीट धातरगड धातरगड

पडाल ध्रुपदनी मेला तालथी शरुछे

तकीट कीटता कीटता कीट कीटता

सम

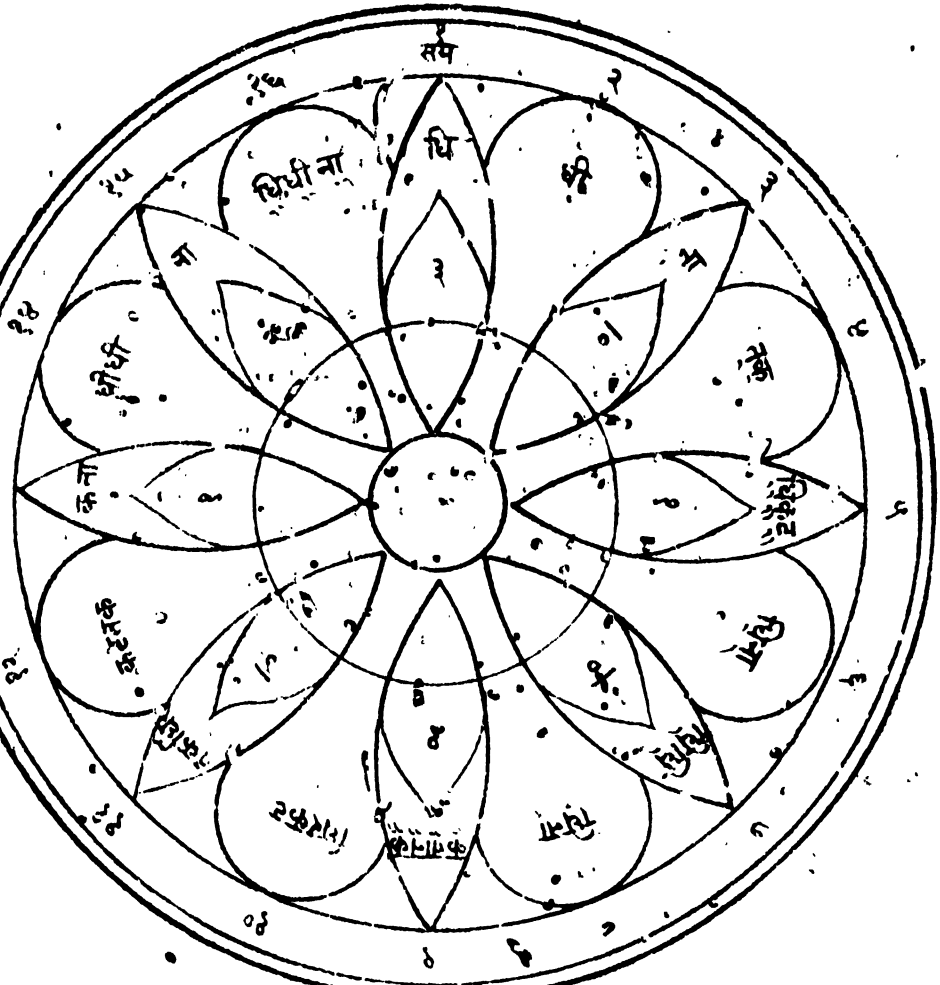
कीटता कुडांम कीटता धाकीट तक धी धीगन धा

च·जा·

ताल सवारी मात्रा १६

ताल ५
१-१-३ बीलम काळ

धि धी नां तक | धीकट धिनां धींधींधीनां | कता
तक धिरकट तक धिरकट तक कता धींधी
ना धी धी नां।|



उपर लखेला ताल सवारीनी मात्रा १६ छे ने ताल पांच छे १–पेहेली मात्रा निचे-धी, ने त्रीजो तालछे ते समनी जग्याछे. त्रीजी मात्रा निचेना, ने खाली छे नवमी मात्रा नीचे कतानक, ने ते १ पेहेलो ताल छे ११–मी मात्रा निचे तक धीर, ते ०

खाली छे १३, मी मात्रा निचे कत्ता-ने पेहेलो ताल छे-१५ मी मात्रा निचे ना, ने बीजो ताल छे चक्रफरती १५ मात्रा छे

पडाल संवारिनी

कडांन धिता धिधीधीता कीटतक धीधी
गनधीता कीटधुमी कटेतक धीनां धीता
कीडांनपंत धीनंतकट धीनकंट धा कीटधा,

ताल सवारिनी पडाल

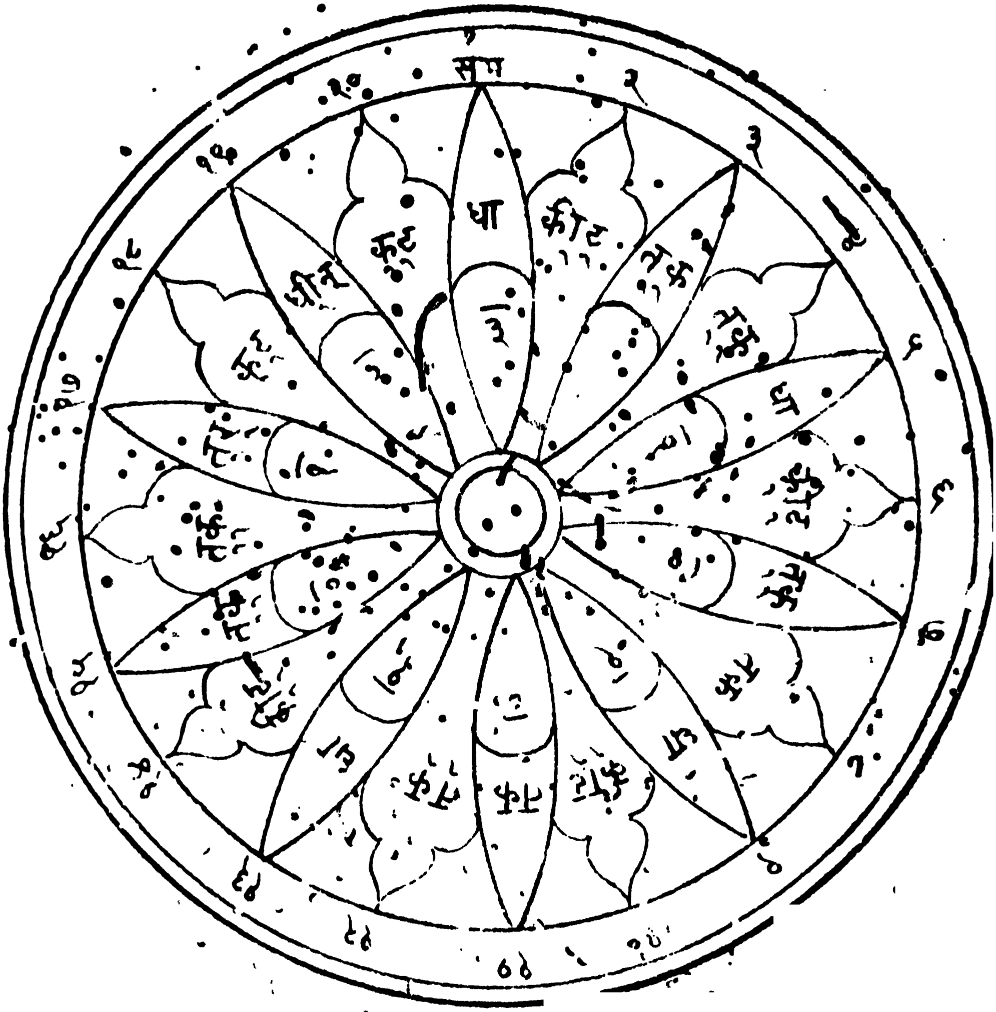
धीनां तरिकीटे धिलान धिता. धातरि गन
धातरीगंनधा धीनांतरीकीट धीलान धीता
धातरीगन धातरीगंन:धातरीगने तरगन धा

तालखट मात्रा २०

च. जा.

ताल ६
१-१-१-३ मध्यकाळ

धाकीट तक तक | धाकीट तक तंक |
सर्म
धाकीट तक तक | तरकट धीनकट | धा
कीट तक तंक

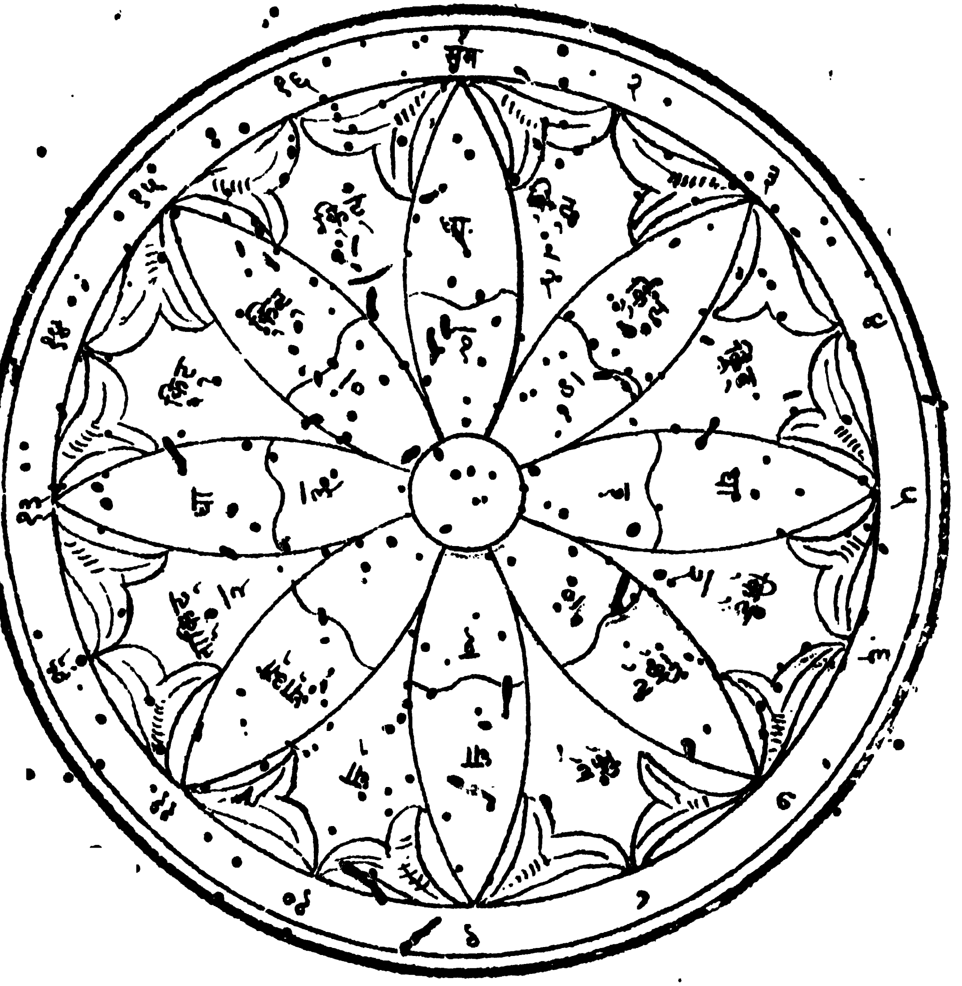


उपर लखेलो ताल खटनी मात्रा २० छे ने ताल छ, छे पाचमी मात्रा निचे धा ने पेहेलो ताल छे, पेहेली मात्रा निचे धा, ने त्रीजो ताल छे ने समनी जग्या छे चक्रफरती मात्रा २० गणवी.

ताल रुषि ताल मात्रा १६

च आ ताल ७
२-२-३
मध्यकाल

सम
धा कीट कीट कीट | धाकीट कीट कीट | धा
धा धा आ ताकीट | धा कीट कीट कीट



उपर लखेलो ताल रुषिनी मात्रा १६ छे ने ताल ७ छे पेहेली मात्रा निचे धा, ने पेहेलो ताल छे. ते समनी जग्या छे १५ मी मात्रा निचे कीट छे चक्रफरति १६ मात्रा गणवी.

ताल ८

१-२-२-३ मध्यकाळ

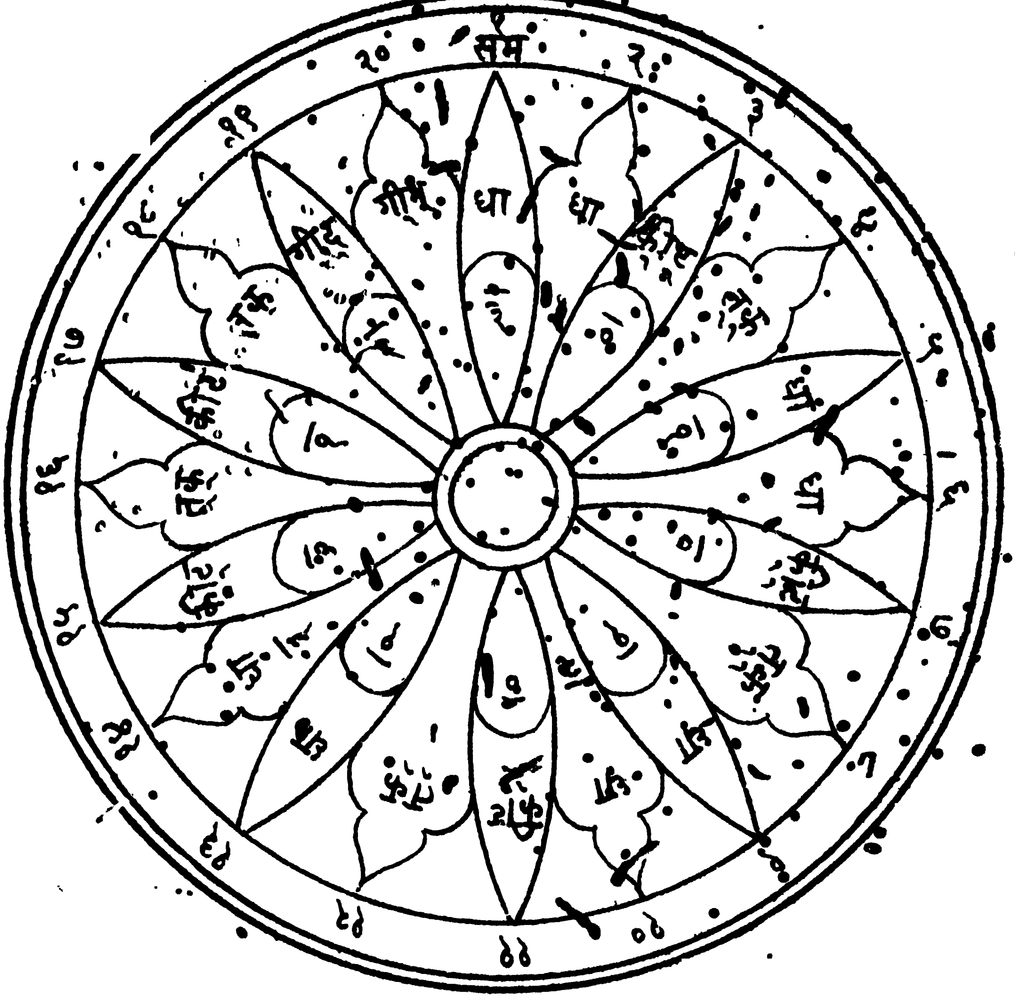
ताल अष्टमंगल अथवा अठताला मात्रा २०

धा धा कीट तक | धा धा कीट तक | धा धा

सम

कीट तक | कीट तक गिदं गीन | धा धा

कीट तक |



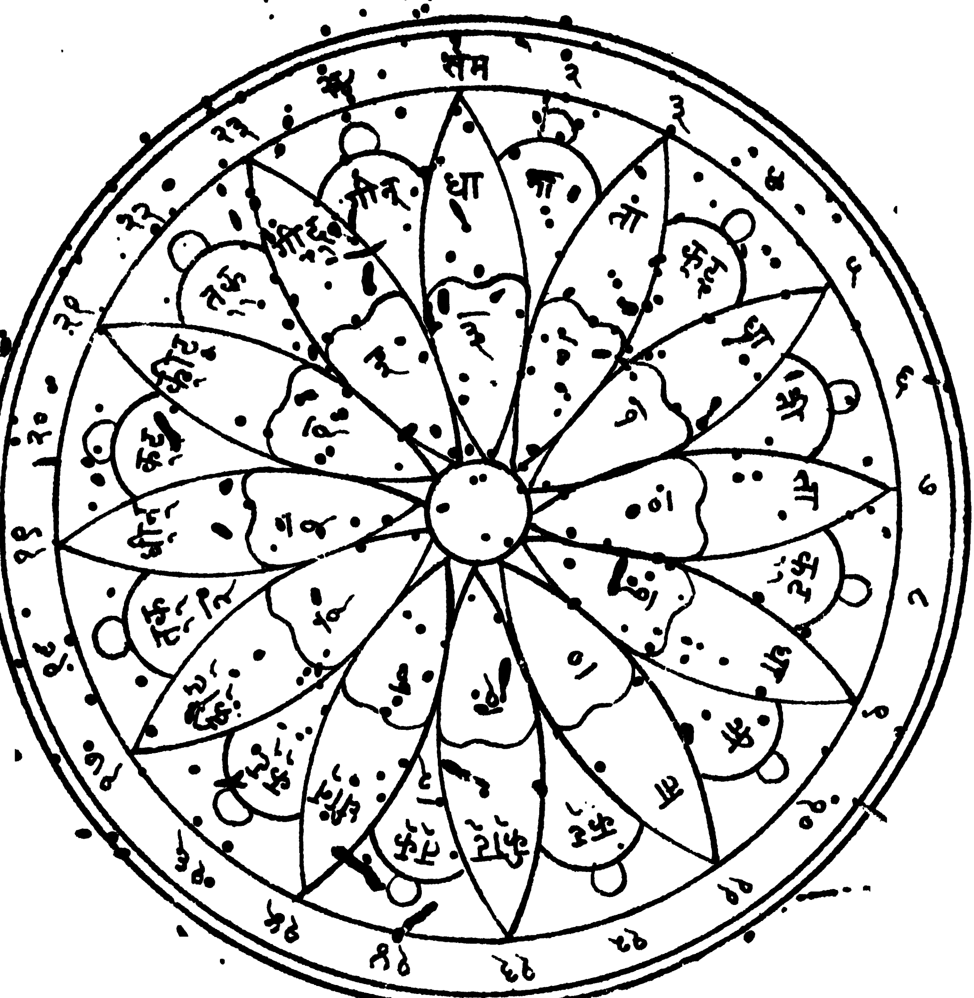
उपर लखेलो ताल अष्टमंगल नी मात्रा २० छे, ने ताल ८, छे, पांचमी मात्रा निचे धा, ने पेहेलो ताल छे, पेहेली मात्रा निचे धा, ने ८, ताल छे ते समनी जग्या छे, चक्रफरती मात्रा २० छे.

ताल नाग अथवा ग्रह ताल. मात्रा २४

ताल ९ च. जा.

१-१-२-२-३ मध्यकाळ.

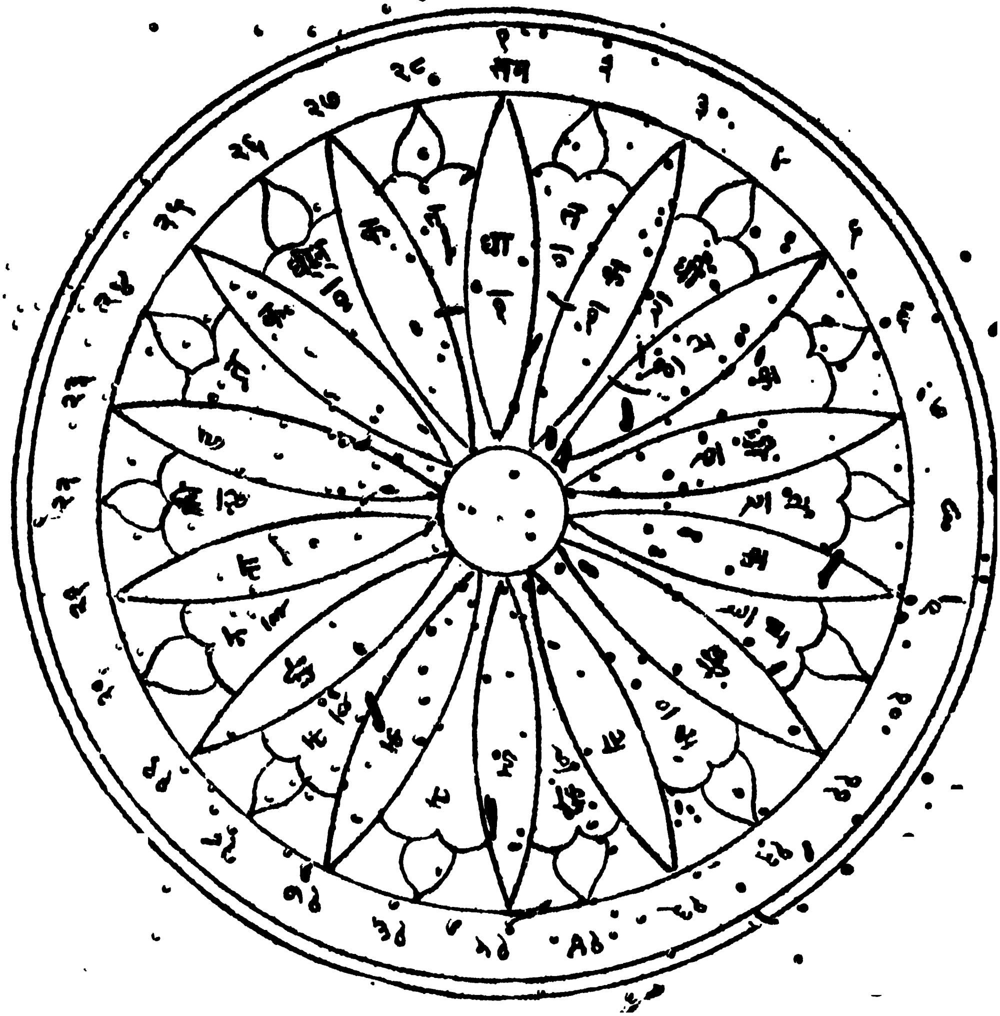
धा नी ताकट | धा नी ताकट | कीट तकधी
नकट | कीट तक धीनकट | कीट तक गी
सम
दगीन | धा नीताकट |



उपर लखेला ताल नागनी मात्रा २४ छे, ने ताल नवछे, पांचमी मात्रा निचे धा, ने पेहेलो तालछे, त्यांथी शरुआत छे. पेहेली मात्रा नीचे धा, ने नवमो तालछे, ते समनी जग्या छे, चक्रफरती मात्रा २४, छे,

ताल ब्रह्मताल. ताल १० मात्रा २८.

सम
धा. तक धी | तकधी | तकतधीन ताकीड
तक | तधीन ता कीडतक | धीनकट.



उपर लखेलो ताल ब्रह्मानी मात्रा २८, छे, ने ताल १० छे, पेहेली मात्रा निचे धा, ने पेहेलो ताल छे. ते समनी जग्या छे ने शरुआतपण त्यांथी छे. चक्रफरती, २८. मात्रा छे.

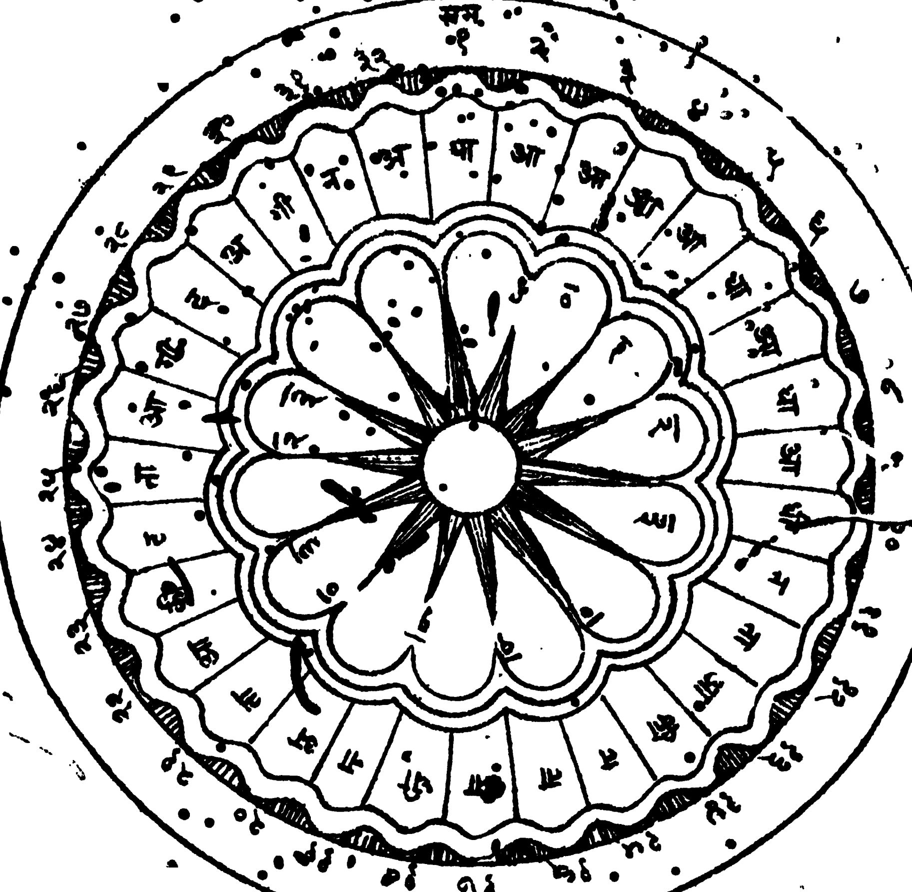
तोडो समथी उठेछे.

सम
धी धी ता कीट धाकीट धाकीट धा
धी धी ता कीट धाकीट धाकीट धा
धी धी ता कीट धाकीट धाकीट

ठेक ११ ख. आ.
३–३–५

ताल रुद्र ताल ताल ११ मात्रा ३२ मध्यकाल

सम
धाआ धाआ धीन ताआ | कीट ता आधी
नअ ताआ | कीट ताआ गीदंअ गीन
अ | धा आ आ आ आ



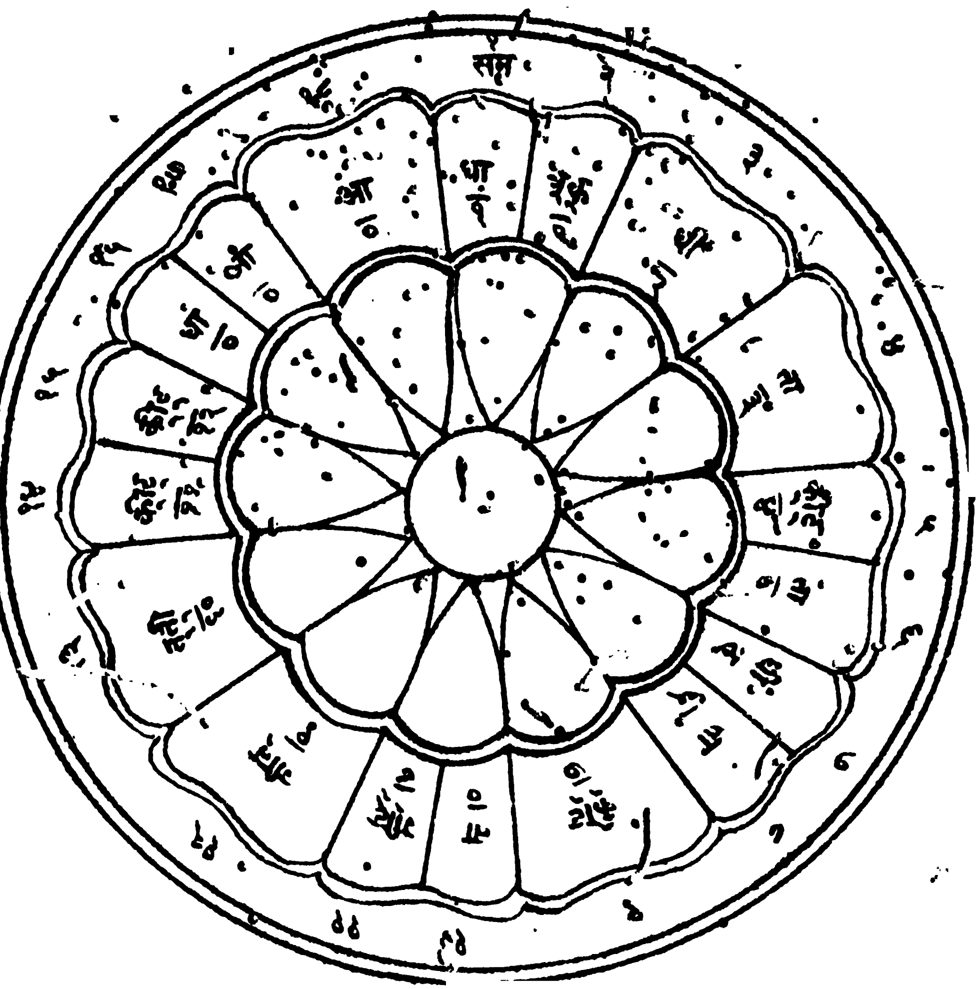
उपर लखेलो ताल रुद्र ना ताल ११, छे, छठि मात्रा निचे धा, ने पेहेलो ताल छे ते जग्याथी शरुछे पेहेली मात्रा निचे धा, ने ११ तालपर समनी जग्या छे. चक्रफरती ३२ मात्रा छे.

ताल १२ ब. जा.
१-३-३-५

ताल सूर्य ताल ताल १२ मात्रा १८ वीलंब काळ

सम

धात्रक धीता कीटता | धीता कीटता |
गीदगीम तर्तीकीट कीट | धा आ आ



उपर लखेल ताल सूर्यनी मात्रा अढारथी बमणी गणवाथी छत्रीश थायछे ने ताल १२ छे पेहेली मात्रा नीचे धा ने पेहेलो ताल छे ते समनी जग्या छे ने त्यांथी शरुआत छे २ बीजी मात्रानीचे, त्रक, खाली छे ० ६ ठी मात्रा नीचे, ता, ० खाली छे १० मी मात्रा निचे तां, ० खाली छे १६-१७-१८ मात्रा ० खाली छे चक्रफरती अढारथी बमणी ३६ छत्रीश मात्रा गणवी.

ताळ
१-२-२-१-१-५
मध्यकाळ.

ताल वीश्वमनुं ताल ७४ मात्रा ४०

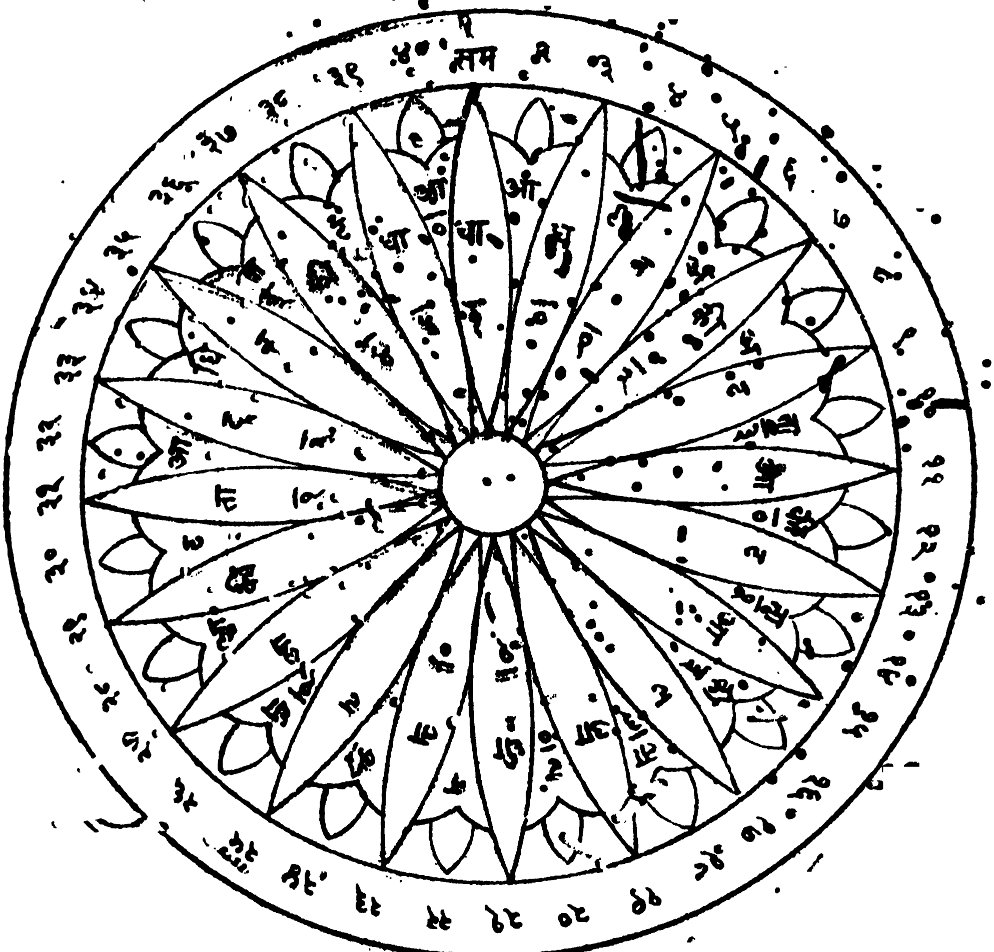
ता: ग.

सम

धा आ धुटिन् अ | कीट ता आ. कीट ता आ |

कीट. ताआ दृधिन् | ताकीट धा आ आ |

कीट ताआ दृधिन् | ताकीट धा आ आ |



उपर लखेलो ताल विश्वमनुंनी मात्रा ४० छे ताल १४ छे पेहेली मात्रा निचे, धा, ने पेहेलो ताल छे ते समनी जग्या छे त्याथी शरुछे चक्र फरती ४० मात्रा छे.

ताल १६ ४-४-४-४
मध्यकाल च. आ.

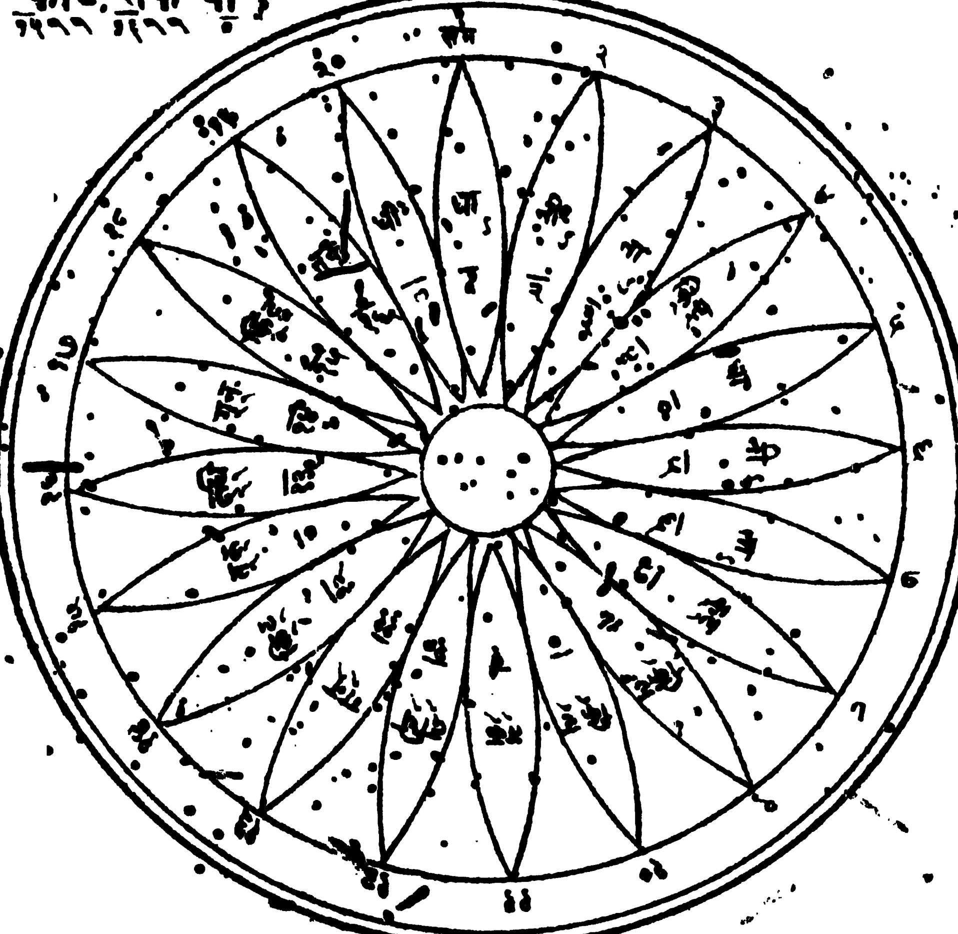
ताल मल्ल, नी मात्रा २० छे

सम

धा ऽ नी ऽ ता ऽ कट | धा ऽ नी ऽ ता ऽ कीद कीट

कीट तक गीद गीन | कीट तक दधि गुन

कीट तक धा |

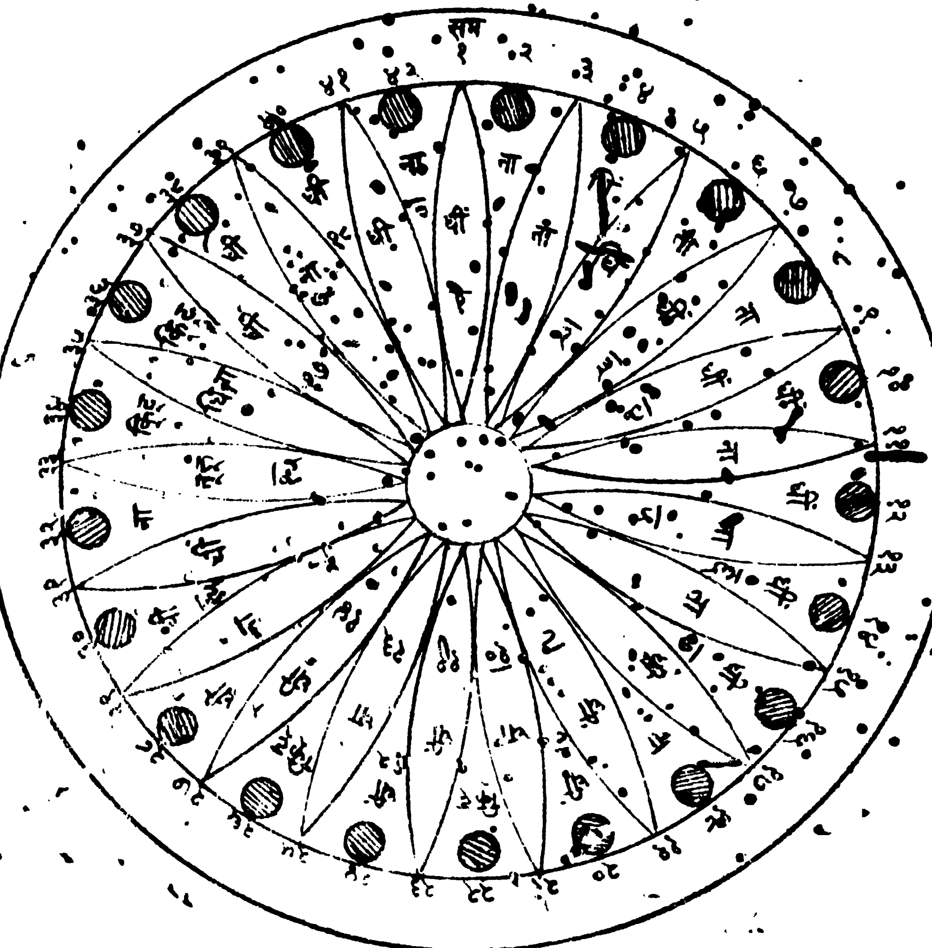


उपर लखेलो तालमल्ल नी मात्रा ४०, छे, ने ताल १६, छे पेहेली मात्रा निचे, धा, ने पेहेलो ताल छे, ते समनी जग्या छे, ने त्यांथी शरुआत छे, पांचमी मात्रा निचे.धा, ० खाली छे, १०, मी मात्रा.निचे कीट, ० खाली छे, १५, मी मात्रा नीचे तक, ० खाली छे, २०, मी मात्रा नीचे धा, ० खाली छे, आ ताले चार चार तालने अन्ते ० खाली छे चक्र फरती ४० मात्रा गणवी.

च. जा. ताल १८

ताल लक्ष्मी ताल-मात्रा ४२ मध्यकाळ

सम
धींता ताधी | धींता धींत्ता धींता धींन्ना | धींत्ता धींता
धीं धीं न्ना | धीं धी धी कींट धीं धीं धा कींट | धीं धीं न्ना |
धीं धीं न्ना | तर कींट धींन-कींट | धीं धीं न्ना धीं धीं न्ना |



उपर लखेलो ताल लक्ष्मीनी मात्रा ४२, छे, ताल १८ छे, पेहेली मात्रा धी, ने पेहेलो ताल छे, ते समनी जग्याछे, ४२ मी मात्रा निचे, ना, ने ०, खाली छे, चक्र फरती मात्रा ४२ गणवी,

आ ग्रंथ निचे लखेल ठेकाणे मळशे,

बावाजी वीठ्ठलदास जेठीराम - भावनगर
ग्रंथकर्ता, ठे० राओल श्रीजूवान सीहजी मंदिरमां,

અગાઉથી આશ્રય આપનારા ગ્રાહકો.

નકલ	નામ	ઠેકાણું
૨૦	રા. રા. રાયજાદા બાજુભાઇ પથુભાભાઈ	ભાવનગર
૨૦	રા. રા. શંકરપ્રસાદ હરીપ્રસાદ	,,
૧૫	રા. રા. રાઓલશ્રીહેમતસીંહજી (લાખંનકા દરબાર)	લાખણકાં
૧૦	રા. રા. રાણાશ્રી કાજુભાં કલોણસીંહજી	ભાવનગર
૧૦	રા. રા. દેશાઈ રતીલાલ છોટાલાલ	,,
૧૦	રા. રા. વોરા હરીલાલ સવાઇલાલ	,,
૧૦	રા. રા. વૈદરાજ મલભાઈ બાળાભાઈ	,,
૫	રા. રા. રાણાશ્રી નાનુભા કલાણસીહજી	,,
૫	રા. રા. મુકંદરામભાઇ	,,
૫	રા. રા. નાનુભાઈ વેણીશંકર	,,
૫	રા. રા. શંભુપ્રસાદ [illegible]ભાઇ	,,
૧૦	રા. રા. સાકરલાલ સવાઇલાલ	,,
૫	રા. રા. રામસીંહજી રૂપસીંહજી	,,
૫	રા. રા. માળી ખીમજી લવજી	,,
૫	રા. રા. જમસેદજી નવરોજી ઉનવાળા	,,
૫	રા. રા. રાઓલશ્રી દાનસીંહજી	લાખણકા દરબાર
૫	રા. રા. રમણીકરાય પ્રભાશંકર	ભાવનગર
૫	રા. રા. ગુવૈયા કેશવલાલ બાળકૃષ્ણ	,,
૪	રા. રા. ડાકટરસાહેબ શીવંનાથ રામનાથ	ભાવનગર
૩	રા. રા. ગોવિંદાણી ઉદેસીંહજી નાનાભાઇ	,,
૩	રા. રા. જોરાવરસીંહજી હરીસીંહજી	,,
૩	રા. રા. ફતેસીંહજી જેઠીભાઈ	,,
૩	રા. રા. ખાચરરાવતભાઈ બાવાભાઇ	ગઢડા
૨	રા. રા. માળી જેઠાભાઈ વીઠળદાસ	ભાવનગર
૨	રા. રા. ખાચર વીકરમશી	ગઢડા
૨	રા. રા. વૈવાસ જેશંગજી મેરૂભાઇ	ભાવનગર
૨	રા. રા. માનશંકર લખમીશંકર	,,
૨	રા. રા. પાનાચંદ નથુભાઇ	,,
૨	રા. રા. ખાચર દાનાભાઇ જીવાભાઈ	પાળીયાદ
૨	રા. રા. મોરારજી આણંદજી	ભાવનગર
૨	રા. રા. કેખુશરૂ બમણશા	

નકલ	નામ	ઠેકાણું
૨	રા. રા. દેશાઇશંભુપ્રસાદપ્રભાશંકર	”
૨	રા. રા. પ્રભાશંકર જટાશંકર	”
૨	રા. રા. મુળુભાઇ સરતાનજી	સાણોદર
૨	રા. રા. રણજીતસીંહજી ભુપતસીંહજી	ભીમડાદ
૫	રા. રા. મહાંતશ્રી હંસદાશજીગોપાળદાશજી	ભાવનગર
૨	રા. રા. કાનજીભાઈ મોતીભાઈ	”
૨	રા. રા. મહારાજગર સવાઇગરજી	ભાવનગર
૨	રા. રા. શેઠ ચત્રભુજ કલ્યાણજી.	”
૨	રા. રા. ભીમજીમુળજી	”
૨	રા. રા. ગવૈયા દલસુખરામમુલશંકર	”
૨	રા. રા. મહાંતરામદાશજી દેવાદાશજી	”
૨	રા. રા. ગવૈયા ડાયાલાલ શીવરામ	”
૧	રા. રા. ભણશાળી પાનાચંદ	”
૧	રા. રા. મુખયા છગનભાઇ	”
૧	રા. રા. દેવીસીંહજી અનેસીંહજી	”
૧	રા. રા. ભટ્ટ છોટાલાલ વીઠળદાશ	”
૧	રા. રા. મહાંત કબીરસાહેબ બિહારીદાશજી	”
૧	રા. રા. પ્રભાકર કૃષ્ણાજીપાંગે	”
૧	રા. રા. ગુલાબદાશજી બળદેવદાશજી	”
૧	રા. રા. માણેકલાલ જયચંદ	”
૧	રા. રા. મગનલાલ રણછોડજી	”
૧	રા. રા. પ્રેમજી વીઠલ	”
૧	રા. રા. વાઘજી ગોવીંદ	”
૧	રા. રા. મંછારામ ભગવાન	”
૧	રા. રા. સાકરલાલ ભાઇ	”
૧	રા. રા. રતિલાલ ઘેલાભાઇ	”
૧	રા. રા. મોતીલાલ ઝવેર	”
૧	રા. રા. તનસુખરામ છોટમલાલ	”
૧	રા. રા. સરદારસીંહજી ગેમાભાઇ	ભાવનગર
૧	રા. રા. અમુલક વેણીશંકર	”
૧	રા. રા. પ્રતાપરાય સાંકરલાલ	”
૧	રા. રા. માનકુંવર ગેંદાકુંવર	”
૧	રા. રા. ખોજા ઈશાભાઇ નાનજી	”

નકલ	નામ.	ઠેકાણું
૧	રા. રા. દેવજી જીવાભાઈ	
૧	રા. રા. વ્રજલાલ ત્રીભોવન	”
૧	રા. રા. ગીરધર વેલચંદ	”
૧૦	રા. રા. જાલમસીંહજી જીવાભાઇ	”
૫	રા. સ. મહાંતકરશનદાશ રઘુવરદાશ	શિહોર બ્રહ્મકુંડ.
૧	રા. રા. મુળચંદ વનમાળી	ભાવનગર
૧	રા. રા. પ્રિન્ટર છગનલાલ ખોડાભાઈ	”
૧	રા. રા. શામજી ભવાન	”
૧	રા. રા. માનભાઇ વજે શંકર	”
૫	રા. રા. સરૂભાઇ વજેશંકર	”
૧	રા. રા. મોહનદાસ ગુરૂકમળનેન	”
૧૦	રા. રા. ગોકળદાશજી કાનદાશજી	”
૧	રા. રા. જેઠાલાલ જીવણ	”
૧	રા. રા. બહાદુરલાલ રામપ્રસાદ	”
૧	રા. રા. જમનાદાશ સોમચંદ	”
૧	રા. રા. રામજી દયાળ	ત્રાપસા
૧	રા. રા. પરભુદાસ હિમચંદ ફોટોગ્રાફર	ભાવનગર
૧	રા. રા. મોતીભાઈ ત્રીભોવનદાશ	”
૧	રા. રા. મોદી નથુ લવજી	”
૧	રા. રા. બદરીપ્રસાદ	”
૧	રા. રા. ભટ્ટકાશીરામ લક્ષ્મીરામ	શીહોર
૧	રા. રા. ગોવરધનદાશ કલ્યાણદાસ	ભાવનગર
૧	રા. રા. બાળકૃષ્ણ	શીહોર
૧	રા. રા. નથુરામજી કલ્યાણદાસજી	ભાવનગર
૧	રા. રા. વસંતરામ ઓઘડ	”
૧	રા. સુ. ખવાસ મેરૂ	”
૧	રા. રા. હરજીવન વીઠળ	”
૧	રા. રા. શીવશંકર જાદા	”
૨	રા. રા. વળા દરબાર વખત સીંહજી	વળાદરબાર
૨૦	રા. રા. શંકરભાઈ હરીપ્રસાદ	”
૪	રા. રા. સુકુયેરાઇ સવાઇલાલ	”
૧	રા. રા. ગોપાળજી મેઘજી	”
૧	રા. રા. જાડેજા દેવીસીંગજી બનેસીંગજી	”
૧	રા. રા. બ્રહ્મકુંડના અધિકારી ભગવાનદાસ રઘુવરદાસ, શીહોર	